Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
माँ दुर्गा उपासक मां बगुलामुखी, माँ कामख्या, माँ भद्रकाली, माँ शतचंडी की असीम कृपा साधना द्वारा समस्त समस्याओं का मार्ग दर्शन हेतु
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 57 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, शुक्रवार 02 जनवरी 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी एक्ट 2025 एक फरवरी से लागू होगा, वित्त मंत्रालय ने जारी किया नोटिफिकेशन

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने नोटिफिकेशन जारी कर कहा है कि हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी एक्ट 2025 एक फरवरी 2026 से लागू हो जाएगा। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य और राष्ट्रीय सुरक्षा पर होने वाले खर्च के लिए अतिरिक्त संसाधन जुटाना है। यह बिल दोनों सदनों में पहले ही पारित हो चुका है। इस एक्ट के तहत गुटखा, पान मासला और अन्य तंबाकू उत्पादों पर भारी-भरकस टैक्स लगाया जाएगा। इस एक्ट की खास बात यह है कि इसमें टैक्स उत्पादन की वास्तविक मात्रा पर नहीं, बल्कि मशीन की उत्पादन क्षमता के आधार पर वसूला जाएगा। नोटिफिकेशन में बताया गया कि इसमें पैकिंग मशीनों की सहायता से निर्मित और पाउच में पैक किए गए चबाने वाले तंबाकू, जर्दा सुगंधित तंबाकू और गुटखा को निर्दिष्ट किया गया है, जिन पर मशीन की क्षमता और खुदरा विक्रय मूल्य के आधार पर शुल्क का भुगतान करना आवश्यक है। आगे कहा गया कि पैकिंग मशीनों की संख्या और क्षमता के आधार पर मासिक देय शुल्क का भुगतान हर महीने की 6 तारीख को करना होगा।

सरकार ने बताया कि तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी दरों का पुनर्गठन करते हुए, अनुसूची इ्ढ्ढ (28 प्रतिशत) से कुछ वस्तुओं को अनुसूची ढ्ढ (18 प्रतिशत) और अनुसूची ढ्ढ्ढ (40 प्रतिशत) में स्थानांतरित किया गया है। अनुसूची इ्ढ्ढ (28 प्रतिशत स्लैब) को पूरी तरह से हटा दिया गया है।

सरकार ने बताया कि तंबाकू उत्पादों (चबाने वाला तंबाकू, फिल्टर खैनी, जर्दा सुगंधित तंबाकू, गुटखा) के लिए एक नई मूल्यांकन प्रणाली शुरू की गई है, जिसके तहत पैकेज पर घोषित खुदरा बिक्री मूल्य (आरएसपी) के आधार पर जीएसटी मूल्य निर्धारित किया जाएगा।

मंत्रालय के मुताबिक, हेल्थ सिक्योरिटी से नेशनल सिक्योरिटी एक्ट 2025 लागू होने के साथ ही तंबाकू और उससे जुड़े उत्पादों पर नया टैक्स सिस्टम लागू हो जाएगा। इससे तंबाकू उत्पादों पर कंपनसेशन सेस भी समाप्त हो जाएगा। नई प्रणाली से तंबाकू और इससे जुड़े उत्पादों पर टैक्स में इजाफा हो सकता है।

दिल्ली-टोक्यो के बीच उड़ानों में हुई सुरक्षा नियमों की अनदेखी, डीजीसीए ने पायलटों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। भारत के विमानन नियामक ने सुरक्षा और नियमों से जुड़ी समस्याओं की जानकारी होने के बावजूद दिल्ली और टोक्यो के बीच कई उड़ानें संचालित करने के लिए एयर इंडिया के कॉकपिट क्रू (पायलटों) को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नियामक ने दो हफ्तों के अंदर उनसे जवाब मांगा है। यह नोटिस नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) की ओर से जारी किया गया है और यह दिल्ली से टोक्यो जाने वाली फ्लाइट एआई-357 और टोक्यो से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट एआई-358 के संचालन से संबंधित है। डीजीसीए के नोटिस के अनुसार, विमान के लिए लागू मिनिमम इक्विपमेंट लिस्ट (एमईएल) सही नहीं पाई गई यानी जरूरी तकनीकी मानकों में कमी थी।

एयर इंडिया की ओर से इस नोटिस पर अभी तक कोई जवाब नहीं दिया गया है। नोटिस में यह भी कहा गया है कि यह कोई एक बार की घटना नहीं है, बल्कि पहले भी अन्य उड़ानों में ऐसी समस्याएं पाई गई हैं। डीजीसीए ने पायलटों से यह भी पूछा है कि एयरक्राफ्ट नियमों और नागरिक विमानन आवश्यकताओं (सीएआर) के तहत उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए?

विमानन नियामक ने यह नोटिस इसलिए भी जारी किया, क्योंकि एयर इंडिया ने बार-बार तकनीकी खराबियों के बावजूद बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान का संचालन किया।

खाकी शर्मसार : नशे में धुत दारोगा ने बैरिकेडिंग पर चढ़ाई कार, रोकने पर ष्टष्क से भी उलझे; हवालात में बीता न्यू ईयर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में नए साल के जश्न के बीच खाकी को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां हजरतगंज चौराहे पर तैनात पुलिसकर्मियों से एक दारोगा ही भिड़ गया। नशे में धुत बताए जा रहे इस दारोगा ने ट्रैफिक डायवर्जन के लिए लगाई गई बैरिकेडिंग पर अपनी कार चढ़ा दी और रोकने पर अपने ही विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से बदसलूकी की। घटना के बाद डीसीपी के आदेश पर दारोगा को गिरफ्तार कर हवालात में डाल दिया गया है। घटना बुधवार रात की है। न्यू ईयर सेलिब्रेशन के चलते लखनऊ में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जगह-जगह बैरिकेडिंग की गई थी। हजरतगंज चौराहे पर तैनात ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टर ने जब वहां से गुजर रहे एक दारोगा को रूट डायवर्ट होने के कारण गाड़ी मोड़ने को कहा, तो वह भड़क गए।

दशकों से लंबित परियोजनाएँ अब समयबद्ध रूप से हो रही पूरी : प्रगति प्लेटफॉर्म प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की निर्णायक कार्यशैली का सशक्त प्रमाण - मुख्यमंत्री श्री साय

छत्तीसगढ़ में भिलाई इस्पात संयंत्र आधुनिकीकरण और लारा सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट जैसी महत्वपूर्ण परियोजनाओं को मिली नई गति

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास की गति नई ऊँचाइयों पर पहुँची है। दशकों से लंबित महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं ऊर्जा परियोजनाएँ अब प्रगति प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से समयबद्ध ढंग से पूरी हो रही हैं। यह केंद्र सरकार की परिणामोन्मुख, जवाबदेह तथा निर्णायक कार्यशैली का सशक्त प्रमाण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रगति प्लेटफ़ॉर्म का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भिलाई इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण से न केवल देश में रेल उत्पादन को नई गति मिली है, बल्कि इससे हजारों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित हुए हैं। इससे आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूती मिली है और औद्योगिक विकास को नई दिशा प्राप्त हुई है।

इसी प्रकार एनटीपीसी की लारा सुपर थर्मल पावर परियोजना (1600 मेगावाट) से छत्तीसगढ़ सहित छह राज्यों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत हुई है तथा औद्योगिक और कृषि गतिविधियों को नई ऊर्जा प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रगति प्लेटफ़ॉर्म ने परियोजनाओं की निगरानी, निरंतर समीक्षा और बाधाओं के त्वरित समाधान की एक सशक्त प्रणाली विकसित की है। स्पष्ट लक्ष्य, तेज़ क्रियान्वयन और ठोस परिणाम—यही नए भारत की कार्यसंस्कृति है और यही विकसित भारत - 2047 के लक्ष्य को साकार

करने का मार्ग है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित प्रगति की 50वीं बैठक ने न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा को भी नई गति प्रदान की है। प्रगति सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए विकसित एक आईसीटी आधारित प्लेटफॉर्म है, जिसने परियोजनाओं की निगरानी और समाधान की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाया है। पिछले दशक में प्रगति प्लेटफॉर्म के माध्यम से 85 लाख करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की परियोजनाओं की रफ्तार तेज हुई है। इससे देशभर में अवसंरचना, ऊर्जा, रेल, सड़क, कोयला और अन्य क्षेत्रों से जुड़े अनेक कार्यों को समयबद्ध प्रगति मिली है। इन परियोजनाओं में छत्तीसगढ़ से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएँ भी शामिल हैं। बैठक में भिलाई इस्पात संयंत्र के आधुनिकीकरण और विस्तार कार्य का विशेष रूप से उल्लेख किया गया। इस परियोजना को वर्ष 2007 में स्वीकृति मिली थी। प्रगति बैठकों में नियमित समीक्षा और अंतर-एजेंसी समन्वय के कारण इस परियोजना को नई गति मिली, जिसके परिणामस्वरूप इसका कार्य तेज़ी से आगे बढ़ा और लक्षित प्रगति सुनिश्चित हुई।

अपना गरीब-विरोधी एजेंडे को छिपाने के लिए मनरेगा के सुधारों के बारे में जनता को गुमराह कर रही है भाजपा : हरपाल सिंह चीमा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर सीधा हमला करते हुए, पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) में सुधारों के नाम पर जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने कहा कि 23,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया भाजपा के सुधारों के दावों की असलियत को बेनकाब करता है।

पंजाब के वित्त मंत्री ने कहा कि वित्तीय बोझ का 40 परसेंट हिस्सा राज्यों पर डालकर और स्कीम के अधिकार-आधारित ढांचे को खोखला करके, भाजपा ने असल में रोजगार गारंटी को खत्म कर दिया है और भारत के संघीय ढांचे को कमज़ोर किया है। उन्होंने कहा कि पंजाब विधानसभा इन कदमों के विरुद्ध मजदूरों के साथ मजबूती से खड़ी है, वहीं कांग्रेस शासित राज्यों ने चुप रहना चुना है। बुधवार को पार्टी ऑफिस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, वित्तीय मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने भाजपा लीडरशिप अपनी कार्रवाईयों को जायज ठहराने के लिए ग्रामीण विकास और पंचायती राज' बारे स्थाई कमेटी 2024-25% का गलत देने के लिए निशाना साधा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सप्तगिरी शंकर उलाका की प्रधानगी वाली कमिटी ने कभी भी धर्म के आधार पर रखने यां बदलाव करने की सिफारिश नहीं की थी; इसके बजाय, कमेटी ने पेंडिंग फंड को तुरंत जारी करने की अपील की थी। वित्तीय मंत्री ने भाजपा द्वारा गुमराह करने वाले दावों का इस्तेमाल करके जानबूझ कर की गई साजिश को छुपे की निंदा की, जिस का उद्देश्य गरीबों, दलितों और छोटे किसानों को उनके रोजी-रोटी के बुनियादी अधिकार से वंचित करना है।

बांग्लादेश में फिर हिंदू शख्स को भीड़ ने जलाया:धारदार हथियारों से हमला, अस्पताल में भर्ती

15 दिन में हिंदू को जलाने का दूसरा मामला

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश में फिर से एक हिंदू शख्स को जलाने का मामला सामने आया है। शरियतपुर जिले में 31 दिसंबर को 50 वर्षीय खोकोन दास पर भीड़ ने हमला कर दिया।

खोकोन दास घर लौट रहे थे, तभी कुछ लोगों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। पहले उन पर धारदार हथियारों से हमला किया गया, फिर बेरहमी से पीटा गया और आग के हवाले कर दिया गया। इस हमले में वे गंभीर रूप से झुलस गए। घायल अवस्था में खोकोन दास को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में तनाव का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

पिछले महीने हिंदू युवक को पेड़ पर लटकाकर जलाया

बांग्लादेश में 15 दिन के भीतर दूसरी बार हिंदू शख्स को हवाले किया गया है। इससे पहले 18 दिसंबर को मैमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। इसके बाद उनके शव को पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी गई थी।

दीपू दास को भीड़ ने ईशनिंदा के झूठे आरोप लगाकर पीटा था। वे एक कपड़ा फैक्ट्री में काम करते थे। इस मामले की जांच में यह सामने आया कि जिस दावे के आधार पर भीड़ ने हमला किया था, उसके कोई सबूत नहीं मिले।

दरअसल, सोशल मीडिया पर यह आरोप लगाया जा रहा था कि दीपू चंद्र दास ने फेसबुक पर ऐसी टिप्पणी की थी, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं, लेकिन जांच एजेंसियों का कहना है कि अब तक ऐसी किसी भी पोस्ट या टिप्पणी के प्रमाण नहीं मिले हैं।

वीडियो में दिख रहा है कि भीड़ ने दीपू चंद्र की डेडबॉडी में आग लगा दी। आसपास मौजूद लोग मोबाइल से वीडियो बनाते रहे।

वीडियो में दिख रहा है कि भीड़ ने दीपू

नए साल के पहले दिन चर्चा में आया सुपरस्टार रजनीकांत का पोस्ट, बोले- मैं सबकुछ भगवान पर छोड़ देता हूं

चेन्नई (एजेंसी)। सिनेमा की दुनिया में रजनीकांत की लोकप्रियता दशकों से कम नहीं हुई है। उनके फैंस सिर्फ उनके अभिनय के लिए ही नहीं, बल्कि उनके सादगीपूर्ण व्यक्तित्व के लिए भी उन्हें दिल से पसंद करते हैं। हर साल नववर्ष के मौके पर रजनीकांत अपने फैंस से मिलने की परंपरा निभाते हैं और इस दौरान वे अपने फैंस के साथ संवाद भी करते हैं, उनके साथ समय बिताते हैं, और उन्हें नई उम्मीद और उत्साह देते हैं। इस साल भी उन्होंने गुरुवार को अपने घर के बाहर जमा हुए फैंस को नए साल की बधाई दी और सोशल मीडिया पर एक खास वीडियो साझा किया। रजनीकांत ने घर के बाहर जमा हुए फैंस को नए साल की शुभकामनाएं दी। वहीं, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी सुपरहिट फिल्म मुथु का एक वीडियो क्लिप साझा किया। इस क्लिप में रजनीकांत एक रथ में बैठे दिखाई दे रहे हैं और उनके बगल में अभिनेत्री मीना भी हैं। यह वीडियो फैंस के लिए एक खास तोहफे जैसा है, जो पुराने समय की याद दिलाता है। वीडियो में मीना, रजनीकांत से पूछती हैं कि हम जो रास्ता ले रहे हैं, क्या वह सही है?

नाना पटोले ने राहुल गांधी को बताया आधुनिक दौर का राम, अर्थव्यवस्था और बेरोजगारी पर किए तीखे सवाल

मुंबई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की तुलना भगवान राम से की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भगवान राम के काम को आगे बढ़ा रहे हैं। इसी बीच, कांग्रेस नेता ने भारत के विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बनने पर कहा कि देश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, ऐसे में सरकार को वास्तविक स्थिति पेश करनी चाहिए। राहुल गांधी के अयोध्या राम मंदिर नहीं जाने के सवाल पर नाना पटोले ने आईएएनएस से कहा, भगवान राम हर किसी के दिल और विचारों में होते हैं। शोषित और पीड़ित लोगों की सेवा करना व उन्हें न्याय दिलाना भगवान

श्रीराम का काम था, आज वही काम राहुल गांधी कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, राहुल गांधी जब चाहेंगे अयोध्या जाएंगे और राम लला का दर्शन करेंगे, क्योंकि रामलला के मंदिर का ताला राजीव गांधी ने खुलवाया था। भगवान श्रीराम का काम आज राहुल गांधी कर रहे हैं। मंदिर जाने वाले नेता दिखावा करते हैं। राहुल गांधी उनकी तरह नहीं हैं।

अर्थव्यवस्था के विषय पर कांग्रेस नेता ने कहा, सरकार इस पर झूठी कहानी बता रही है। देश में बेरोजगारी क्यों बढ़ रही है? उद्योग का पता नहीं है, क्योंकि यहां के उद्योगपति अपना देश छोड़कर दूसरे देश में जा रहे हैं। इस सरकार में देश पर कर्जा कितना बढ़ा है, इस बारे में जनता के सामने वास्तविकता रखनी चाहिए।

कांग्रेस नेता ने कहा, हमारे देश का संविधान विविध भाषा, विविध धर्म और जातियों से बना हुआ है। हम दुनिया के सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। हमारे देश के संविधान ने इन बुनियादी तत्वों को मजबूत जड़ों के साथ बांध के रखा है। आपको (आरएसएस) ना संविधान स्वीकार था और ना देश का तिरंगा स्वीकार था। आपने 60 साल तक आरएसएस कार्यालय में तिरंगा नहीं फहराया। जिन लोगों ने फहराया, उन पर एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

उन्होंने कहा, इस तरह भाषणबाजी कर देश में आपने प्रचारक को देश का प्रधानमंत्री बनाया। आज देश में महंगाई बढ़ती जा रही है, रुपया रोज गिरते जा रहा है, बेरोजगारी बढ़ती जा रही है और किसान बर्बाद होते जा रहे हैं। हालांकि, नाना पटोले ने मुंबई में कांग्रेस के वंचित बहुजन आघाडी के साथ गठबंधन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, कांग्रेस के साथ किस तरह से गठबंधन किया गया, इसकी जानकारी मेरे पास नहीं है। प्रदेश स्तर पर यह फैसला लिया गया है, लेकिन यह पार्टी के लिए हानिकारक है। पार्टी का चुनाव चिन्ह नहीं रहना पार्टी के लिए नुकसान है।

नाना पटोले ने आगे कहा, मेरे पास इस बारे में जानकारी नहीं है कि राज्य स्तर पर गठबंधन किन शर्तों पर हुआ या क्या तय हुआ था। जब सारी जानकारी मिल जाएगी, तो हम इस मामले पर बात करेंगे। कांग्रेस नेता ने पुलवामा हमले पर विवादित बयान को लेकर समाजवादी पार्टी के नेता सनातन पांडे का बचाव किया।

थर्ड एसी का किराया 2,300; वैष्णव बोले- बुलेट ट्रेन अगले साल 15 अगस्त को शुरू

पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी-कोलकाता के बीच चलेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोटा में 180 किमी प्रति घंटे की स्पीड से स्लीपर वंदे भारत ट्रेन का ट्रायल किया गया था। इस दौरान लोको पायलट की डेस्क पर रखे गिलास से पानी नहीं छलका। यह ऑटोमैटिक ट्रेन है।

पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन गुवाहाटी से कोलकाता के बीच चलेगी। थर्ड एसी का किराया ?2,300 तय किया गया है। सेकेंड एसी का किराया ?3,000 होगा। फर्स्ट ष्ट का किराया करीब ?3,600 प्रस्तावित किया गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का ट्रायल, टेस्टिंग और सर्टिफिकेशन पूरा कर लिया है। स्लीपर ट्रेन को 1000 किलोमीटर से ज्यादा लंबी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। इस साल के आखिर तक लगभग 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें तैयार हो जाएंगी।

दो दिन पहले इस ट्रेन का ट्रायल रन किया गया था। यह ट्रेन 180 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से कोटा-नागदा रेलवे ट्रैक पर दौड़ी। लोको पायलट ने 4 ग्लास में पानी रखा, इतनी रफ्तार के दौरान भी ग्लास में से पानी नहीं छलका।

उधर बुलेट ट्रेन को लेकर रेलमंत्री ने कहा कि यह 15 अगस्त 2027 को शुरू होगी। सबसे पहले सूरत से बिलिमोरा तक का सेक्शन खुलेगा। उसके बाद वापी से सूरत तक खुलेगा। फिर वापी से अहमदाबाद तक खुलेगा और उसके बाद ठाणे से अहमदाबाद तक चलाई जाएगी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन में 16 कोच हैं। इनमें 11 थर्ड एसी, 4 सेकेंड एसी और एक फर्स्ट एसी कोच हैं। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के ऊपरी बर्थ तक जाने के लिए सीढ़ियां दी गई हैं। दो दिन पहले चार पानी के ग्लास को रखकर ट्रेन के सस्पेंशन का टेस्ट हुआ था।

रेलमंत्री बोले- पीएम जल्द ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

रेलमंत्री वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी जल्द ही पहली स्लीपर ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने कहा, लंबे समय से नई जनरेशन की ट्रेनों की मांग हो रही थी। वंदे भारत चेयर कार ने भारतीय रेलवे में एक नए युग की शुरुआत की। लोगों को यह बहुत पसंद आने लगी। देश के कोने-कोने से वंदे भारत ट्रेनें चलाने की मांग हो रही है। वंदे भारत स्लीपर में एडवांस्ड सेफ्टी फीचर्स, बेहतर सस्पेंशन सिस्टम और वर्ल्ड-क्लास स्लीपर कोच हैं। वैष्णव ने बताया कि आमतौर पर, गुवाहाटी-हावड़ा रूट पर हवाई किराया ?6,000 से ?8,000 के बीच होता है। कभी-कभी 10,000 तक भी पहुंच जाता है। वहीं, वंदे भारत स्लीपर में गुवाहाटी से हावड़ा तक थर्ड ष्ट का किराया 2,300 रखा गया है।

नए साल पर दहला हिमाचल : थाने की दीवार के पास जोरदार धमाका, कई इमारतों के शीशे टूटे; इलाके में हड़कंप

नालागढ़। हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नालागढ़ में नए साल की शुरुआत एक जोरदार धमाके के साथ हुई, जिससे पूरा प्रशासनिक अमला सकते में आ गया। गुरुवार सुबह करीब सवा नौ बजे पुलिस थाने की दीवार के बिल्कुल साथ एक जबरदस्त विस्फोट हुआ। धमाके की आवाज इतनी तेज थी कि पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग दहशत में आ गए। धमाके की तीव्रता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका असर आसपास की कई इमारतों पर पड़ा। विस्फोट के कारण पुलिस थाने की इमारत के अलावा पास ही स्थित ईसीएचएस (श्वष्ट॥स्) पॉलीक्लिनिक और मार्केट कमेटी की इमारत के शीशे चकनाचूर हो गए। गनीमत यह रही कि फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पूरे घटनास्थल को सील कर दिया है ताकि सबूतों के साथ कोई छेड़छाड़ न हो सके।

ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत हुई निर्णायक कार्रवाई, दुश्मन को दिया करारा जवाब : सेनाध्यक्ष

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत दृढ़ एवं निर्णायक कार्रवाई की और दुश्मन को करारा जवाब दिया गया। यह अभियान आज भी जारी है। भारतीय थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने नव वर्ष पर अपने एक संदेश में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सेना बॉर्डर पर सतर्कता बरत रही है। वहीं सेना देश के भीतर आपदाओं में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गुरुवार को नव वर्ष के अवसर पर सेनाध्यक्ष ने कहा, भारतीय सेना राष्ट्र की सुरक्षा पूर्ण सतर्कता और दृढ़ संकल्प के साथ सुनिश्चित कर रही है। गत वर्ष शत्रु के नापाक इरादों को ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत दृढ़ एवं निर्णायक कार्रवाई द्वारा करारा उत्तर दिया गया, और यह अभियान आज भी निरंतर जारी है। सीमाओं पर सतर्कता के साथ-साथ, देश के भीतर आपदाओं के समय त्वरित सहायता तथा राष्ट्र-निर्माण से जुड़े प्रयासों के माध्यम से सेना ने राष्ट्रीय प्रगति में अपनी अहम भूमिका निभाई है। गौरतलब है कि जम्मू कश्मीर स्थित पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। इस ऑपरेशन की योजना सेना के मिलिट्री ऑपरेशन्स ब्रांच में तैयार की गई, जबकि संचालन की निगरानी डीजीएमओ के ऑप्स रूम से सीडीएस और तीनों सेनाध्यक्षों की मौजूदगी में की गई। इस ऑपरेशन में सीमा पार 9 आतंकी कैंप तबाह किए गए। भारतीय सेना ने 7 और वायुसेना ने 2 आतंकी कैंप ध्वस्त किए।

यह एक सटीक, सीमित और नियंत्रित कार्रवाई रही, जिससे बढ़त तो मिली ही, पर तनाव अनियंत्रित नहीं हुआ। यही नहीं, भारत ने पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को भी नाकाम किया। 7 से 10 मई तक पाकिस्तान की ओर से भारत के सैन्य एवं नागरिक ठिकानों पर ड्रोन हमलों की कई कोशिशें की गईं। इन सभी हमलों को भारतीय सेना की एयर डिफेंस यूनिट्स ने पूरी तरह विफल किया।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल को 25 फाइटर प्लेन देगा अमेरिका, बोइंग को दिया 8.6 बिलियन का कॉन्ट्रैक्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच कई डील पक्की हुई है। पेंटागन ने सोमवार को कहा कि बोइंग को एफ-15 फाइटर जेट इजराइल प्रोग्राम के लिए 8.6 बिलियन का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है। पेंटागन ने कहा, बोईंग को इजरायली वायु सेना के लिए 25 नए एफ-15इआइ विमानों को डिजाइन, निर्माण और वितरित करने के लिए 8.58 बिलियन तक का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया है, जिसमें 25 अतिरिक्त विमानों का विकल्प भी शामिल है। अमेरिका लंबे समय से अपने सबसे करीबी मध्य पूर्वी सहयोगी को हथियारों की आपूर्ति करने वाला सबसे बड़ा देश रहा है। गाजा हमलों के बावजूद अमेरिकी समर्थन जारी अमेरिका भर में फिलिस्तीन समर्थक और युद्ध विरोधी प्रदर्शनकारियों ने गाजा पर इजराइल के विनाशकारी हमले के कारण वाशिंगटन द्वारा इजरायल को दिए जा रहे सैन्य समर्थन को खत्म करने की मांग की थी, लेकिन राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन में उन मांगों को पूरा नहीं किया गया है। पेंटागन ने एक बयान में कहा कि कॉन्ट्रैक्ट का काम सेंट लुइस में किया जाएगा, और इसके 31 दिसंबर, 2035 तक पूरा होने की उम्मीद है।

अमेरिका जाने वाले सावधान! एंट्री-एग्जिट के बदले नियम

वाशिंगटन एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने अमेरिका में विदेशियों की एंट्री-एग्जिट के नियमों को बेहद सख्त कर दिया है। ट्रैवलर वेरिफिकेशन सर्विस (टीवीएस) के तहत पहली बार 14 साल से कम उम्र के बच्चों और 79 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों को भी बायोमेट्रिक चेकिंग से गुजरना होगा। क्या है टीवीएस? टीवीएस एक ऐसी प्रणाली है जो विदेशियों की पहचान को सत्यापित करने के लिए बायोमेट्रिक डेटा का उपयोग करती है। इसमें फेशियल रिक्गनिशन तकनीक के जरिए फोटो और कुछ मामलों में फिंगरप्रिंट देना शामिल है। 2025 में अमेरिका में रोज लगभग 4 हजार भारतीय पहुंचे हैं। इस साल लगभग 15 लाख भारतीय अमेरिका गए, जबकि 2024 में कुल लगभग 22 लाख भारतीय अमेरिका गए थे। अमेरिका जाने वालों में भारतीय तीसरे नंबर पर रहे।

तुर्किये में आईएस से मुठभेड़ में छह आतंकी ढेर

अंकारा, एजेंसी। तुर्किये के गृह मंत्री अली येरलिकाया ने बताया कि उत्तर-पश्चिमी हिस्से में हुई एक मुठभेड़ में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के छह आतंकियों और पुलिस के तीन अधिकारियों की मौत हो गई। यह मुठभेड़ सोमवार को इस्तांबुल के दक्षिण में यालोवा प्रांत में एक घर में छिपे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई के दौरान हुई। येरलिकाया ने कहा, मुठभेड़ में पुलिस के आठ अन्य अधिकारी और एक गार्ड घायल हो गए हैं। गृह मंत्री के मुताबिक, यालोवा में चलाया गया अभियान देश भर के 15 प्रांतों में आईएस संदिग्धों के खिलाफ हुई 100 से अधिक कार्रवाईयों में से एक था। घर पर चलाए गए अभियान में सावधानी बरती गई, क्योंकि वहां महिलाएं और बच्चे मौजूद थे। सभी 5 महिलाओं व 6 बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया। बताया गया कि सभी आतंकवादी तुर्किये के नागरिक थे। इस बीच, न्याय मंत्री यिलमाज टुनक ने कहा, पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। इस बीच, झड़प सड़कों पर फैलने के कारण इलाके के पांच स्कूल दिन भर के लिए बंद कर दिए गए।

बेहतरीन लाइफस्टाइल के लिए मशहूर दुबई हुआ मच्छरों से परेशान!

सरकार को जारी करना पड़ा अलर्ट

दुबई , एजेंसी। दुनिया के सबसे आधुनिक और साफ-सुथरे शहरों में गिने जाने वाले दुबई में इन दिनों एक बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है। ऊंची-ऊंची इमारतें, चमचमाती सड़कें और बेहतरीन लाइफस्टाइल के लिए मशहूर दुबई अब मच्छरों के बढ़ते आतंक से जूझ रहा है। हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि दुबई सरकार को मच्छरों को लेकर आधिकारिक चेतावनी जारी करनी पड़ी है।

एक न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक, संयुक्त अरब अमीरात की हेल्थ मिनिस्ट्री ने साफ तौर पर कहा है कि अगर मच्छरों की संख्या पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया तो डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ सकता है। यही वजह है कि सरकार ने इसे लेकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की एडवाइजरी: यूएई के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर मच्छरों से बचाव को लेकर एक जागरूकता संदेश जारी किया है। मंत्रालय ने कहा है

कि मच्छर के काटने को बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अगर किसी व्यक्ति को मच्छर काटने के बाद बुखार, सिरदर्द, बदन दर्द, कमजोरी या जलन जैसे लक्षण महसूस हों, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

मंत्रालय ने यह भी बताया कि कुछ मामलों में मच्छर के काटने से एलर्जी या इंफेक्शन हो सकता है, इसलिए सतर्कता बेहद जरूरी है। हेल्थ मिनिस्ट्री ने पर्सनल सेफ्टी के साथ-साथ मच्छरों की रोकथाम पर भी खास जोर दिया है।

पानी जमा न होने दें, मच्छरों को पनपने से रोकें: सरकार ने लोगों से अपील की है कि घरों, बालकनी, छत, गमलों और आसपास कहीं भी पानी लंबे समय तक जमा न होने दें। पानी को नियमित रूप से बदलते रहें, क्योंकि जमा हुआ पानी मच्छरों के पनपने के लिए सबसे अनुकूल जगह होता है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार द्वारा बताए गए सभी एहतियाती उपायों का पालन करके मच्छरों की संख्या को कम किया जा सकता है।

दुनिया में हर जगह मच्छर, लेकिन एक देश है अपवाद: दुनिया के लगभग सभी देशों में मच्छर पाए जाते हैं. फ्रांस, स्विट्जरलैंड, आयरलैंड, अमेरिका समेत ज्यादातर देशों में मौसम के अनुसार मच्छरों की संख्या घटती-बढ़ती रहती है। कई देशों में मच्छर लोगों के लिए बड़ी समस्या बने हुए हैं। लेकिन इन सबके बीच एक देश ऐसा भी है, जहां आज तक एक भी मच्छर नहीं पाया गया है। यह देश है आइसलैंड। वैज्ञानिक भी इस बात को सुनकर हैरान रह जाते हैं कि आइसलैंड में तालाब, झीलें और नमी होने के बावजूद मच्छर नहीं पनपते। हैरानी की बात यह है कि आइसलैंड के पड़ोसी देश नॉर्वे, डेनमार्क और ग्रीनलैंड में मच्छर मौजूद हैं, लेकिन आइसलैंड इससे पूरी तरह मुक्त है।

पुतिन के घर पर 91 ड्रोन्स का हमला! भड़के ट्रंप

बोले- मुझे यह पसंद नहीं आया, मैं बहुत गुस्से में हूं

यूक्रेन, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने की कूटनीतिक कोशिशों के बीच एक बड़ा तनाव पैदा हो गया है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने आरोप लगाया है कि यूक्रेन ने उत्तरी रूस (नोवगोरोड क्षेत्र) में स्थित राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आवास पर 91 लॉन्ग-रेंज ड्रोन्स से हमला करने की कोशिश की। रूस का दावा है कि उनके एयर डिफेंस सिस्टम ने सभी ड्रोन्स को मार गिराया और पुतिन सुरक्षित हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस खबर पर गहरी नाराजगी जताई है। फ्लोरिडा में इजरायली पीएम नेतन्याहू से मुलाकात से पहले ट्रंप ने बताया, राष्ट्रपति पुतिन ने खुद मुझे फोन कर इस हमले की जानकारी दी। मैं इससे बहुत नाराज हूं। किसी नेता के घर को निशाना बनाना स्वीकार्य नहीं है। हालांकि, ट्रंप ने यह भी कहा कि यह संभव है कि यह हमला हुआ ही न हो, लेकिन हम इसकी सच्चाई का पता लगाएंगे।

यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इन्हें रूसी झूठ बताया है। जेलेंस्की का कहना है कि रूस यह ड्रामा इसलिए कर रहा है ताकि वह यूक्रेन के सरकारी भवनों पर बड़े हमले करने का बहाना बना सके और शांति वार्ता को पटरी से उतार सके। क्रेमलिन ने चेतावनी दी है कि इस कथित हमले के बाद वे शांति समझौते के लिए अपनी शर्तों की समीक्षा करेंगे। दूसरी ओर पुतिन ने अपने सैन्य कमांडरों को आदेश दिया है कि वे यूक्रेन के जापोरिज्जिया और डोनबास क्षेत्रों पर पूरी तरह नियंत्रण पाने के लिए हमले तेज कर दें।

भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त को यूनुस सरकार ने किया तलब

आनन-फानन में ढाका पहुंचे रियाज हमीदुल्लाह

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हिंदुओं समेत अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के कारण भारत में भी विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहे हैं। दोनों देशों के रिश्ते तनावपूर्ण हो गए हैं। इसी बीच यूनुस सरकार ने भारत में बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया है।

बांग्लादेश ने रियाज को तत्काल ढाका पहुंचने का समन भेजा था, जिसके बाद उन्होंने नई दिल्ली से ढाका का रुख कर लिया था। बांग्लादेश के अखबार डेली प्रोथोम आलो ने इसकी पुष्टि की है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को रियाज हमीदुल्लाह को समन भेजा था। रियाज बीती रात को ही ढाका पहुंच गए हैं। अखबार ने अपनी रिपोर्ट में लिखा, भारत-बांग्लादेश के रिश्तों की वर्तमान परिस्थितियों पर बातचीत करने के लिए रियाज को ढाका से समन भेजा गया था।

3 महीने और 37 हजार किलोमीटर का सफर: सिर्फ 5 क्रेनों को पहुंचाने निकला चीनी जहाज

शंघाई एजेंसी। करीब 800 फीट लंबा एक विशाल मालवाहक जहाज सिर्फ पांच बड़ी शिप-टू-शोर क्रेनों को पहुंचाने के लिए लगभग 19,700 नॉटिकल मील (करीब 37,000 किलोमीटर) का लंबा समुद्री सफर तय कर गया। इस जहाज का नाम झेन हुआ 29 है। यह जहाज 20 जून को चीन के शंघाई बंदरगाह से रवाना हुआ। पहले यह दक्षिण चीन सागर से होकर पश्चिम की ओर बढ़ा और फिर हिंद महासागर को पार किया। तीन महासागरों को पार करते हुए और समुद्र में तीन महीने से ज्यादा समय बिताने के बाद यह जहाज अक्टूबर में जमैका के किंग्स्टन पोर्ट पर पहुंचा।

जमैका और अमेरिका के लिए थीं ये क्रेन: जहाज पर लदी ये विशाल क्रेन चीन में बनी थीं। इन्हें जमैका के बंदरगाहों और अमेरिका के गल्फ कोस्ट (खाड़ी तट) के बंदरगाहों पर लगाया जाना था। दशकों से ऐसे लंबे समुद्री सफर वैश्विक व्यापार का हिस्सा रहे हैं, जहां भारी मशीनें एक देश में बनती हैं और दुनिया के दूसरे कोने में भेजी जाती हैं। लेकिन वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, झेन हुआ 29 का यह सफर आज के दौर में अत्यधिक लंबे शिपिंग रूट्स को लेकर चिंता भी पैदा करता है। अमेरिका में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट–दोनों

सरकारों ने चीन में बनी क्रेनों पर निर्भरता को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, आज अमेरिका के बंदरगाहों पर लगी करीब 80त्न शिप-टू-शोर क्रेन चीन में बनी हुई हैं। इसी वजह से व्हाइट हाउस अब अमेरिकी बंदरगाहों से कह रहा है कि वे चीन के अलावा अन्य देशों से क्रेन खरीदें और अमेरिका में घरेलू क्रेन निर्माण को फिर से शुरू किया जाए। हालांकि, यह बदलाव आसान नहीं है, क्योंकि पिछले करीब 20 सालों से चीनी क्रेन सबसे सस्ती और आसानी से उपलब्ध विकल्प रही हैं। आमतौर पर अगर शंघाई से अमेरिका के मिसिसिपी तक जहाज जाए, तो वह प्रशांत महासागर और पनामा नहर से होकर करीब एक महीने में पहुंच सकता है। लेकिन झेन हुआ 29 ऐसा नहीं कर सका। वजह यह थी कि जहाज पर लदी क्रेनों के लंबे बाजू (बूम्स) जहाज के किनारों से बाहर निकले हुए थे। पनामा नहर प्रशासन ऐसे ओवरहैंगिंग कार्गो की इजाजत नहीं देता, क्योंकि इससे नहर के लॉक और अन्य ढांचे को नुकसान पहुंच सकता है। इसी कारण जहाज को दुनिया का लंबा चक्कर लगाना पड़ा।

कभी गृहिणी थीं खालिदा जिया, पति की हत्या के बाद बनीं 'आयरन लेडी'

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की अध्यक्ष और लाखों समर्थकों की 'देशमाता' के रूप में जानी जाने वाली खालिदा जिया का जाना न केवल एक राजनीतिक नेता का अवसान है, बल्कि बांग्लादेश की लोकतांत्रिक यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय का समापन भी है।

बांग्लादेश की राजनीति में दो महिलाओं का लंबा द्वंद्व रहा है- एक तरफ शेख हसीना, दूसरी तरफ बेगम खालिदा जिया। जहां हसीना को 'बंगबंधु की बेटी' कहा जाता है, वहीं खालिदा जिया को आयरन लेडी' या 'डेमोक्रेसी की मां' के रूप में जाना जाता है। खालिदा जिया का जन्म 15 अगस्त 1945 को जलपाईगुड़ी (तत्कालीन अविभाजित बंगाल, अब भारत) में हुआ था। उनका परिवार बाद में दिनाजपुर (बांग्लादेश) में बस गया। 1959 में मात्र 15 साल की उम्र

में उन्होंने पाकिस्तानी सेना के कैप्टन जियाउर रहमान से शादी की। जियाउर रहमान बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के नायक बने और 1977 में राष्ट्रपति बने। खालिदा तब तक घरेलू जीवन जी रही थीं, दो बेटों- तारिक और अराफात रहमान (कोको) की परवरिश कर रही थीं। लेकिन 30 मई 1981 को चटगांव में सैन्य तख्तापलट की कोशिश में जियाउर रहमान की हत्या हो गई। इस सदमे ने खालिदा को राजनीति में धकेल दिया। पति की मौत के बाद बीएनपी बिखरने की कगार पर थी। पार्टी कार्यकर्ताओं के आग्रह पर खालिदा ने 1982 में पार्टी की सदस्यता ली और 1984 में अध्यक्ष बन गईं। उन्होंने तत्कालीन सैन्य शासक हुसैन मुहम्मद एर्शाद के खिलाफ लोकतंत्र बहाली आंदोलन का नेतृत्व किया। उन्होंने एर्शाद की तानाशाही के खिलाफ लंबा आंदोलन चलाया, कई बार हाउस अरेस्ट झेलीं। 1990 में एर्शाद का पतन हुआ और 1991 के चुनाव में बीएनपी की जीत से खालिदा बांग्लादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं। उनका पहला कार्यकाल आर्थिक सुधारों, निर्यात बढ़ाने और केयरटेकर गवर्नमेंट सिस्टम लागू करने के लिए याद किया जाता है। 2001 में फिर सत्ता में लौटीं, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोप और इस्लामी कट्टरपंथियों पर कार्रवाई के विवाद भी उनके कार्यकाल की छाया रहे।

पहली बार यूएन चीफ गुतारेस ने हिंदी-उर्दू में जारी किया नववर्ष संदेश

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने पहली बार वर्ष 2026 के लिए अपना नववर्ष संदेश हिंदी और उर्दू सहित कुल 11 भाषाओं में जारी किया है। यह संदेश संयुक्त राष्ट्र की छह आधिकारिक भाषाओं अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी और स्पेनिश के अलावा हिंदी और उर्दू में भी उपलब्ध कराया गया है। उनके वीडियो संदेश में हिंदी सबटाइटल भी शामिल किए गए हैं। नववर्ष के अवसर पर गुतारेस ने विश्व नेताओं से युद्ध और विनाश के बजाय विकास में निवेश करने का सशक्त आह्वान किया। उन्होंने कहा, दुनिया एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। हर ओर अराजकता और अनिश्चितता है। लोग पूछ रहे हैं क्या नेता सच में सुन रहे हैं और क्या वे कार्रवाई के लिए तैयार हैं? संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने बताया कि दुनिया की एक-चौथाई से अधिक आबादी संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में रह रही है, जबकि 20 करोड़ से ज्यादा लोगों को मानवीय सहायता की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध, आपदाओं और उत्पीड़न के कारण करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित हो चुके हैं। गुतारेस ने बढ़ते सैन्य खर्च पर चिंता जताते हुए कहा कि वैश्विक सैन्य खर्च 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है, जो लगभग 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। यदि यही रुझान जारी रहा तो यह खर्च 2035 तक 6.6 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। उन्होंने रेखांकित किया कि यह राशि वैश्विक विकास सहायता से 13 गुना अधिक है और पूरे अफ्रीका महाद्वीप की जीडीपी के बराबर है। उन्होंने कहा, इस नए साल पर हमें संकल्प लेना होगा कि हमारी प्राथमिकताएं सही हों। एक सुरक्षित दुनिया की शुरुआत गरीबी के खिलाफ अधिक निवेश और युद्धों के खिलाफ कम निवेश से होती है। शांति का शासन होना चाहिए। गौरतलब है कि 2018 में भारत और संयुक्त राष्ट्र के बीच हिंदी परियोजना को लेकर एक समझौता ज्ञापन हुआ था।

ट्रंप-नेतन्याहू की बैठक में वेस्ट बैंक पर बात, ईरान-हमास को धमकी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के बीच फ्लोरिडा में गाजा शांति योजना को लेकर मुलाकात हुई। यह मुलाकात ट्रंप के निजी आवास मार ए लागो में हुई, जहां दोनों नेताओं ने दोपहर का भोजन किया। बैठक से पहले अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वह गाजा, वेस्ट बैंक और ईरान सहित पांच प्रमुख मुद्दों पर बात करने की योजना बना रहे हैं। ट्रंप और नेतन्याहू ने गाजा शांति योजना के दूसरे चरण, हमास के निरस्त्रीकरण, वेस्ट बैंक पर भी बात की। ट्रंप ने कहा कि कई मुद्दों पर उनके और नेतन्याहू के बीच सहमति नहीं है, लेकिन दोनों की बातचीत जारी है। ट्रंप ने कहा, 'हमने वेस्ट बैंक पर लंबे समय तक बड़ी चर्चा की है, और मैं यह नहीं कहूंगा कि हम वेस्ट बैंक पर 100 सहमत हैं, लेकिन हम वेस्ट बैंक पर किसी नतीजे पर जरूर पहुंचेंगे।' उन्होंने कहा, 'इस्राइल जो कुछ भी कर रहा है, उसके बारे में मुझे कोई चिंता नहीं है। मुझे इस बात की चिंता है कि दूसरे लोग क्या कर रहे हैं या शायद नहीं कर रहे हैं।' नेतन्याहू ने बातचीत को बहुत ही फलदायी बताया और क्षेत्र में ट्रंप की भूमिका की प्रशंसा की। नेतन्याहू ने कहा, 'मेरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बहुत, बहुत अच्छी बैठक हुई। आपके समर्थन के लिए धन्यवाद।' उन्होंने आगे कहा कि 'ट्रंप ने मध्य पूर्व में उल्लेखनीय चीजें हासिल की हैं क्योंकि हम एक साथ काम करते हैं। कभी-कभी हमारे विचार अलग होते हैं, लेकिन हम इसे सुलझा लेते हैं।

सऊदी अरब ने यमन के मुकल्ला में की बमबारी

यूएई से आए हथियारों की खेप को बनाया निशाना

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब ने यमन के महत्वपूर्ण बंदरगाह शहर मुकल्ला पर बमबारी की है। सऊदी अरब का कहना है कि यह हमला इसलिए किया गया क्योंकि वहां अलगाववादी समूह साउदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीएस) के लिए हथियार पहुंचाए जा रहे थे, जो यूएई से आए थे। यमन में अलगाववादी समूह और सरकार के बीच लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। सऊदी अरब और उसके सहयोगी अक्सर यमन में अलगाववादी या विद्रोही समूहों पर हमले करते रहे हैं। ऐसे में सऊदी अरब ने इस हमले का मकसद यह बताया गया है कि हथियारों की सप्लाई रोककर यमन में शांति बनाए रखना और अलगाववादी ताकतों को कमजोर करना।

इस बमबारी को लेकर सऊदी प्रेस एजेंसी ने कहा कि जहाज यूएई के फुजैरा बंदरगाह से मुकल्ला पहुंचा था। खतरे और सुरक्षा पर असर के कारण, सऊदी सेना ने सीमित और सटीक हवाई हमले किए। बयान

में इस बात पर भी जोर दिया गया कि हमले को रात में किया गया ताकि कोई आम लोगों को नुकसान न पहुंचे। सऊदी अरब और यूएई के रिश्तों में दबाव बढ़ा इस हमले से सऊदी अरब और यूएई के बीच रिश्तों पर दबाव बढ़ गया है। दोनों देश यमन में अलग-अलग समूहों का समर्थन कर रहे हैं और उनके बीच आपस में ही प्रतिस्पर्धा चल रही है। बता दें कि मुकल्ला यमन के हद्रामाउट प्रांत में है और यह आदेन से लगभग 480 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। हाल ही में अलगाववादी समूह ने इस इलाके पर नियंत्रण कर लिया है। मीडिया रिपोर्टस में इस बात का भी दावा किया गया कि इससे पहले सऊदी अरब ने शुक्रवार को इसी समूह पर हवाई हमले किए थे, ताकि वे प्रांतों से अपने सैनिक पीछे हटाएं। वहीं दूसरी ओर अलगाववादी समूह ने दक्षिण यमन का झंडा फहराना शुरू कर दिया है। दक्षिण यमन कभी 1967-1990 तक अलग देश था। वहां लोग फिर से अलगाव की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि सऊदी अरब और यूएई दोनों ही यमन और अन्य क्षेत्रों में अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में हैं, लेकिन अक्सर अलग-अलग पक्षों का समर्थन करते हैं, जिससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ रहा है। ऐसे में इस घटना के बाद यमन में हिंसा और राजनीतिक तनाव दोनों बढ़ सकते हैं, जबकि सऊदी अरब और यूएई के बीच भी संबंधों में खिंचाव दिख रहा है।

राज्य के शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में मरीजों के परिजनों के लिए बनेंगे विश्राम गृह

अस्पताल की दहलीज पर अब परिजनों को मिलेगा घर जैसा सुकून : छत्तीसगढ़ सरकार की एक संवेदनशील पहल

रायपुर। जब कोई गंभीर बीमारी घर में दस्तक देती है, तो पूरा परिवार मानसिक और आर्थिक रूप से टूट जाता है। ऐसे वक्त में दूर-दराज के गांवों से शहर आने वाले गरीब परिवारों के लिए सबसे बड़ी चुनौती इलाज के साथ-साथ खुद के ठहरने की होती है। अक्सर मरीज तो वार्ड में इलाज करा रहा होता है, लेकिन उसके अपने लोग अस्पताल के गलियारों, ठंडी सीढ़ियों या खुले आसमान के नीचे रातें गुजारने को मजबूर होते हैं। इसी मानवीय पीड़ा को महसूस करते हुए छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बहुत ही प्रशंसनीय कदम उठाया है। अब राज्य के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में मरीजों के परिजनों के लिए सर्वसुविधायुक्त 'विश्राम गृह' बनाए जाएंगे, ताकि किसी भी मजबूर आंख को रात बिताने के लिए सुरक्षित छत की तलाश में भटकना न पड़े। इस नेक काम को धरातल पर उतारने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में मंत्रालय नवा रायपुर में मेडिकल एजुकेशन विभाग और सेवादान आरोग्य फाउंडेशन के बीच एक एमओयू संपादित हुआ है। इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री श्री खुशवंत साहेब , स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया, चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त श्री रितेश अग्रवाल सहित सेवादान फाउंडेशन के सदस्य उपस्थित थे।

इस समझौते की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इन आश्रय स्थलों के निर्माण, सजावट और उनके रोजमर्रा के संचालन का पूरा जिम्मा संस्था खुद उठाएगी। इसका सीधा मतलब यह है कि सरकार और संस्था मिलकर एक ऐसा मानवीय ढांचा तैयार कर रहे हैं जहाँ परिजनों को सुरक्षित, स्वच्छ और बेहद किफायती ठहराव मिलेगा। इन विश्राम गृहों में केवल सिर छुपाने की जगह ही नहीं मिलेगी, बल्कि अपनों की सेवा में लगे लोगों के लिए 24 घंटे सुरक्षा, सीसीटीवी की निगरानी, साफ-सुथरा भोजन और एक गरिमामय माहौल भी सुनिश्चित किया

जाएगा। योजना के पहले पड़ाव में रायपुर, अंबिकापुर, रायगढ़ और जगदलपुर जैसे प्रमुख शहरों के मेडिकल कॉलेजों को चुना गया है, जहां दूरस्थ अंचलों से बड़ी संख्या में लोग उम्मीद लेकर पहुँचते हैं। यह पहल दिखाती है कि स्वास्थ्य सेवाएं सिर्फ दवा और डॉक्टर तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनमें उन लोगों के लिए भी जगह होनी चाहिए जो अपने बीमार परिजनों के लिए संबल बनकर साथ खड़े रहते हैं। यह कदम न केवल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूती देगा, बल्कि उन हजारों परिवारों को एक बड़ी मानसिक राहत भी पहुँचाएगा जिनके पास शहर में रहने का कोई ठिकाना नहीं होता।

इलाज सिर्फ दवाओं से नहीं, अपनों के साथ और सुकून से भी होता है।छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य सुविधाओं को नया विस्तार मिलने जा रहा है। इस रूप के तहत राज्य के मेडिकल कॉलेजों में मरीजों के परिजनों के लिए बेहतर और सुविधाजनक 'विश्राम गृह' बनेंगे जो 'नो प्रॉफ्टि-नो लॉस' के आधार पर संचालित होंगे। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल राज्य सरकार का उद्देश्य केवल बेहतर इलाज उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि मरीजों के साथ आने वाले परिजनों की गरिमा और सुविधा का भी ख्याल रखना है। दूर-दराज़ से आने वाले लोग कई दिनों तक अस्पतालों के आसपास असुविधाजनक परिस्थितियों में रुकने को मजबूर होते हैं। विश्राम गृह की व्यवस्था उनके लिए सुरक्षित, स्वच्छ और किफायती ठहराव का बड़ा सहारा साबित होगी।यह पहल संवेदनशील और उत्तरदायी शासन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। विश्राम गृहों के माध्यम से मरीज परिजनों को सम्मानजनक आवास, भोजन और बुनियादी सुविधाएँ एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। इससे स्वास्थ्य सेवाओं के साथ मानवता और संवेदना का समन्वय और सुदृढ़ होगा।

संक्षिप्त समाचार

नववर्ष पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय व केंद्रीय पर्यटन मंत्री ने भोरमदेव मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर। नववर्ष के प्रथम दिवस पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कबीरधाम जिले के ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना की । उन्होंने मंदिर के गर्भगृह में विधिवत पूजा-अर्चना एवं आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और जनकल्याण की कामना की। इस अवसर पर केंद्रीय राज्य मंत्री श्री तोखन साहू, उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव एवं श्री विजय शर्मा, पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल, विधायक श्रीमती भावना बोहरा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

एआईसीसी की महिला कांग्रेस पदाधिकारी की नियुक्ति छत्तीसगढ़ ममता चंद्राकर बनी राष्ट्रीय महासचिव

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने राष्ट्रीय महिला पदाधिकारियों की नियुक्ति की है, जिसमें छत्तीसगढ़ से पूर्व विधायक ममता चंद्राकर को राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मयूरी सिंह, तुलिका कर्मा को राष्ट्रीय सचिव एवं प्रीति उपाध्याय, राशि त्रिभुवन को राष्ट्रीय समन्वयक नियुक्त की गई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नवनियुक्त सभी राष्ट्रीय पदाधिकारियों को नव दायित्व के लिए शुभकामनाएं दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि सभी नव नियुक्त पदाधिकारी नई ऊर्जा के साथ अपनी भूमिका सफ्लतापूर्वक निभाएंगी, ऐसा हम सबको विश्वास है।

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 से, रामकृष्ण मिशन रायपुर में होगी

रायपुर। रामकृष्ण मिशन विवेकानंद आश्रम रायपुर में विवेकानंद जयंती समारोह में अंतरमहाविद्यालयीन एवं अंतर माध्यमिक शाला प्रतियोगिता का आयोजन 12 जनवरी से किया जाएगा। विवेकानंद की जयंती 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। रामकृष्ण मिशन के सचिव योगस्थानंद से मिली जानकारी के अ नुसार विवेकानंद जी की 164वीं जयंती समारोह के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। आश्रम में हिंदी तिथि के अनुसार स्वामी विवेकानंद का 164 जन्मदिवस उत्सव आश्रम प्रांगण में 10 जनवरी को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सुबह 5 बजे मंगल आरती विशेष पूजा भजन प्रातः 9 बजे हवन 10 बजे विशेष भोग एवं प्रसाद का वितरण 12.30 बजे दोपहर को किया जाएगा। मिशन के सचिव द्वारा मिली जानकारी के अनुसार 14 जनवरी को विषय विश्व शांति के दूत स्वामी विवेकानद पर अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता, 15 जनवरी को तत्कालीन भाषाण प्रतियोगिता, 16 को अंतरमहाविद्यालयीन वाद विवाद प्रतियोगिता विषय सामाजिक समरसता के द्वारा राष्ट्रीय एकता संभव है। 17 को अंतरमहाविद्यायीन वाद विवाद प्रतियोगिता विषय भारती नारी का आदर्श सीता सावित्री तथा दैमतिहो 18 जनवरी को तत्कालीक भाषण प्रतियोगिता 19 जनवरी को भी अंतरमहाविद्यालयीन प्रतियोगिता, 20 तथा 21 जनवरी को विषय सदन की राय में शिक्षा का उद्देश्य धन प्राप्ति अथवा चरित्र गठन हो, 22 को पाठ आवृत्ति प्रतियोगिता होगी। रविवार 25 को पुरस्कार वितरण समारोह होगा। इसमें मुख्य अतिथि का नाम अभी तक तय नहीं किया गया है।

26 से श्रीमद भागत प्रवचन

वृंदावन के सुप्रसिद्ध प्रवचनकर्ता श्री अखिलेश शास्त्री का प्रवचन विवेकानंद आश्रम स्थित हाल में होगा। यह प्रवचन सायं काल सात बजे से शुरू होगा।

आईसीआईसीआई बैंक ने कैपिटल गेन्स अकाउंट स्कीम लॉन्च की

मुंबई: आईसीआईसीआई बैंक ने आज कैपिटल गेन्स अकाउंट स्कीम (CGAS) को लॉन्च करने की घोषणा की। इस स्कीम के तहत ग्राहक निर्दिष्ट पूंजीगत परिसंपत्तियों की बिक्री से प्राप्त, अभी निवेश न की गई दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ या बिक्री राशि जमा कर सकते हैं। इससे वे जमा राशि पर ब्याज कमाते हुए, अधिकतम तीन वर्षों तक कर-छूट* का लाभ ले सकते हैं।

यह लॉन्च भारत सरकार द्वारा आईसीआईसीआई बैंक को कैपिटल गेन्स अकाउंट स्कीम जमा संभालने के लिए अधिकृत संस्था के रूप में मंजूरी दिए जाने के बाद किया गया है। 1 जनवरी, 2026 से यह स्कीम निवासी व्यक्तियों और हिंदू अविभाजित परिवारों (HUFs) के लिए उपलब्ध है। जल्द ही यह गैर-व्यक्तियों और एनआरआई के लिए भी उपलब्ध होगी। यह उन करदाताओं के लिए उपयोगी है जो आयकर रिटर्न (ITR) दाखिल करने की अंतिम तिथि से पहले दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ का पुनर्निवेश नहीं कर पाते। ग्राहक अपने नजदीकी आईसीआईसीआई बैंक शाखा (CGAS नियमों के अनुसार ग्रामीण शाखाओं को छोड़कर) में जाकर कैपिटल गेन्स अकाउंट खोल सकते हैं। आईसीआईसीआई बैंक के एक प्रवक्ता ने कहा, हम भारत सरकार का धन्यवाद करते हैं कि उन्होंने आईसीआईसीआई बैंक को कैपिटल गेन्स अकाउंट स्कीम (CGAS) जमा के लिए अधिकृत संस्था के रूप में मान्यता दी। इस स्कीम के माध्यम से ग्राहक निवेश न की गई दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ राशि को सुरक्षित रख सकते हैं, उस पर ब्याज कमा सकते हैं और अधिकतम तीन वर्षों तक पुनर्निवेश की योजना बनाते हुए कर-छूट का दावा कर सकते हैं। यह पेशकश हमारे ग्राहकों की बदलती जरूरतों के अनुरूप वित्तीय समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है।

रोजगार, कौशल और बेहतर स्वास्थ्य की दिशा में बड़ा कदमः मुख्यमंत्री

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में नवा रायपुर स्थित मंत्रालय (महानदी भवन) में छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण एवं श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए।

यह एमओयू राज्य में हेल्थकेयर क्षेत्र का दायरा बढ़ाने, गुणवत्तापूर्ण मानव संसाधन तैयार करने तथा युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर सृजित करने की दिशा में एक अहम कदम है। इसके माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े विभिन्न व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे।

समझौते का मुख्य उद्देश्य हेल्थकेयर प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना, युवाओं का कौशल उन्नयन तथा आधुनिक चिकित्सा सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षित जनशक्ति तैयार करना है। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से आवासीय एवं गैर-आवासीय दोनों प्रकार के नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान किए जाएंगे।

एमओयू के तहत चार प्रकार के कोर्स संचालित किए जाएंगे, जिनमें मेडिकल लेबोरेटरी टेक्नोलॉजी, कार्डियोलॉजी तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन, कार्डियक केयर तकनीशियन तथा इमरजेंसी मेडिकल तकनीशियन के प्रशिक्षण शामिल हैं। ये कोर्स युवाओं को विशेषज्ञता के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर निर्माण का अवसर उपलब्ध कराएंगे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस अवसर पर कहा कि राज्य सरकार कौशल विकास को विकास की रीढ़ मानती है और विशेष रूप से हेल्थकेयर सेक्टर की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशलयुक्त कार्यबल तैयार करने पर बल दे रही है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के साथ-साथ युवाओं के लिए व्यापक रोजगार संभावनाएँ भी उत्पन्न करेगी।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि कौशल विकास पर केंद्रित यह साझेदारी राज्य के दूरस्थ अंचलों तक स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार में सहायक सिद्ध होगी। प्रशिक्षित युवा अस्पतालों, स्वास्थ्य संस्थानों और आपातकालीन सेवाओं में प्रभावी भूमिका निभा सकेंगे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, कैबिनेट मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह, श्री सत्य साईं हेल्थ एंड एजुकेशन ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री सी. श्रीनिवास सहित ट्रस्ट के प्रतिनिधि एवं कौशल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय सूचना विज्ञान छत्तीसगढ़ केंद्र में : राजभाषा हिंदी कार्यशाला आयोजित

रायपुर। छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय सूचना-विज्ञान केन्द्र (एनआईसी) में 30 दिसंबर को राज्य केंद्र एवं जिलों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए राजभाषा नीति एवं नियम विषय पर राज्य स्तरीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य शासकीय कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी क्रियान्वयन को सुदृढ़ करना तथा केंद्र सरकार की राजभाषा नीति के अनुरूप कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना रहा।

कार्यक्रम में मुख्यालय से पधारे श्री अजय मधुकर जोशी, उप महानिदेशक एवं समूह प्रमुख (राजभाषा) तथा श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ निदेशक का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ श्री ऋषि कुमार राय, उप निदेशक (आईटी) एवं हिंदी अधिकारी द्वारा अतिथियों के स्वागत के साथ किया गया।

इस अवसर पर श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ निदेशक ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से

राजभाषा हिंदी की नीति, नियमों एवं उनके अनुपालन की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कार्यालयीन कार्यों, पत्राचार, ई-ऑफिस तथा तकनीकी दस्तावेजों में हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता पर जोर देते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया। इसके पश्चात श्री अजय मधुकर जोशी, उप महानिदेशक ने संसदीय राजभाषा समिति की द्वितीय उपसमिति के निरीक्षण का उल्लेख करते हुए कहा कि एनआईसी छत्तीसगढ़ राज्य केंद्र द्वारा राजभाषा हिंदी के क्षेत्र में किए गए कार्य सराहनीय हैं। उन्होंने समिति द्वारा राज्य केंद्र, रायपुर को प्रदत्त प्रमाण पत्र के लिए राज्य के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं तथा हिंदी में किए जा रहे कार्यों को शत-प्रतिशत तक पहुंचाने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में श्री तेज नारायण सिंह उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी ने कार्यशाला को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपने दैनिक कार्यों में हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग का आह्वान किया। उन्होंने अतिथि वक्ताओं के मार्गदर्शन की सराहना करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में श्री पी. रामाराव, वरिष्ठ निदेशक एवं राजभाषा अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कार्यशाला में सहभागिता करने वाले राज्य केंद्र एवं जिलों से जुड़े सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार जताया।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के लिए मशाल गौरव यात्रा को दिखाई हरी झंडी

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी में देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स के प्रचार-प्रसार के लिए मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के प्रचार-प्रसार के लिए यह वाहन राज्य के सभी जिलों में जाएगी। आयोजन के शुभंकर मोरवीर, थीम-सांग और मशाल के साथ प्रदेशभर में घूम-घूमकर यह लोगों को खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स की जानकारी देगी।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने आज नवा रायपुर स्थित अपने शासकीय निवास कार्यालय से मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाने के बाद कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह गौरव का विषय है कि देश में पहली बार हो रहे खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स की जिम्मेदारी छत्तीसगढ़ को मिली है। उन्होंने इसके लिए भारत सरकार तथा केन्द्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया के प्रति

आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य में इसके लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। अगले माह फरवरी में होने वाले इस आयोजन के बारे में लोगों को जानकारी देने आज मशाल गौरव यात्रा को रवाना किया गया है।

खिलाड़ियों के चयन के लिए ट्रायल 7-8 जनवरी को खेलो इंडिया नेशनल ट्राइबल गेम्स में सात खेलों को शामिल किया गया है। इनमें हॉकी, फुटबॉल, तीरंदाजी, तैराकी, कुश्ती, एथलेटिक्स और वेट-लिफ्टिंग शामिल हैं। इन खेलों में छत्तीसगढ़ की ओर से भागीदारी करने वाले खिलाड़ियों के चयन के लिए आगामी 7 जनवरी और 8 जनवरी को ट्रायल का आयोजन किया गया है। बिलासपुर स्थित स्वर्गीय बी.आर. यादव राज्य प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में तीरंदाजी, तैराकी और एथलेटिक्स के लिए ट्रायल प्रक्रिया आयोजित की गई है। वहीं हॉकी, फुटबॉल, कुश्ती और वेट-लिफ्टिंग के लिए ट्रायल रायपुर के स्वामी विवेकानन्द स्टेडियम कोटा में होंगे। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव द्वारा मशाल गौरव यात्रा को हरी झंडी दिखाए जाने के दौरान खेल एवं युवा कल्याण विभाग की उप संचालक श्रीमती रश्मि ठाकुर और अन्य विभागीय अधिकारी भी मौजूद थे।

कृषि महाविद्यालय, रायपुर में नव वर्ष मिलन समारोह आयोजित

सह सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों का सम्मान भी किया गया

रायपुर। कृषि महाविद्यालय, रायपुर के तत्वावधान में तकनीकी स्टॉफ एसोसिएशन, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा नव वर्ष मिलन सह सेवानिवृत्त वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों का विदाई एवं सम्मान समारोह स्वामी विवेकानंद सभागार, कृषि महाविद्यालय, रायपुर में भव्य, गरिमामय एवं भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में माननीय कुलपति, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, डॉ. गिरीश चंदेल, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, रायपुर, डॉ. आरती गुहे, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य, तकनीकी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त वैज्ञानिक एवं प्राध्यापक उपस्थित थे।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रोफेसरों एवं वैज्ञानिकों डॉ. संध्यारानी गौर, डॉ. पी.के. चंद्राकर, डॉ. लालजी सिंह, डॉ. के.के. साहू, डॉ. सी.एस. शुक्ला, डॉ. एस.सी. मुखर्जी, डॉ. बी.एस. ठाकुर, डॉ. आर.के. यादव, डॉ. माधव पांडे, एवं डॉ.

ए.के. सिंह को पुष्पगुच्छ, शॉल एवं उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा शिक्षा एवं शोध कार्यों में उनके उल्लेखनीय योगदान की सराहना की गई। समारोह के दौरान नव वर्ष 2026 के दौरान कृषि विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित टेलीफोन डायरेक्टरी का औपचारिक विमोचन कर विश्वविद्यालय परिवार को समर्पित किया गया। सहभागिता एवं सौहार्द बढ़ाने के उद्देश्य से क्रिज प्रतियोगिता एवं विभिन्न मनोरंजक खेलों का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने प्रेरक संबोधन में विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यों से सकारात्मक जीवन दृष्टि अपनाने, नव वर्ष में नये संकल्प लेकर उन्हें पूर्ण करने, अच्छी कार्य-संस्कृति विकसित करने तथा बदलते परिवेश के अनुरूप कार्य-पद्धति में सुधार करने का आवहान किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी वर्ष विश्वविद्यालय के लिए अत्यंत उत्पादक सिद्ध होगा और संस्थागत गौरव में वृद्धि करेगा। कृषि महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. आरती गुहे ने कहा कि विश्वविद्यालय का अतीत गौरवशाली रहा है और बहुआयामी उन्नति के लिए सभी को अपनी क्षमताओं का सतत विकास करना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में अध्यक्ष, तकनीकी स्टॉफ एसोसिएशन (क्षेत्रीय इकाई) डॉ. गजेंद्र चंद्राकर ने सभी अतिथियों, सम्मानितजनों, पदाधिकारियों एवं उपस्थित सहकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष, तकनीकी स्टॉफ एसोसिएशन (राष्ट्रीय इकाई) डॉ. पी.के. सांगोड़े द्वारा किया गया।

संपादकीय

वक्त आत्म-निरीक्षण का

मेसी की झलक- उनका खेल नहीं- दिखाने का जो तमाशा हुआ, वह अजीबोगरीब ही है। इसीलिए अभिनव बिंद्रा की इस सलाह पर सबको ध्यान देना चाहिए कि 'मेसी का जयगान कर लेने के बाद अब वक्त आत्म-निरीक्षण का है। अभिनव बिंद्रा ने वह कहा, जो आखिरकार किसी को कहना चाहिए था। विनेश फोगट ने उसमें अपना स्वर जोड़ा, तो उससे वो बात और वजनदार हुई है। लायोनेल मेसी बेशक फुटबॉल के सर्वकालीन सबसे महान खिलाड़ियों में एक हैं। उनकी उपलब्धियां बेशुमार हैं। इस कारण उनके प्रशंसक भारत सहित दुनिया भर में मौजूद हैं। अत: लोग मेसी को देखना चाहें, तो उसमें कुछ अजूबा नहीं है। लेकिन जब लोगों की इस इच्छा का भौंडा कारोबारी इस्तेमाल हो, तो उस पर सवाल उठाना जरूरी हो जाता है। तो ओलिंपिक्स में भारत के पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता ने पूछा है कि क्या एक समाज के तौर पर हम खेल संस्कृति बना रहे हैं, या किंवदंती बन चुकी दूर देश की किसी शख्सियत का उत्सव भर मना रहे हैं। उनकी ये टिप्पणी गौरतलब है: 'करोड़ों रुपये मेसी के पास जाने और उनके साथ फोटो खिंचवाने के लिए खर्च कर दिए गए। यह बिल्कुल ठीक बात है कि पैसा लोगों का है और यह उनका अधिकार है कि वे इसे कैसे खर्च करें। फिर भी मैं यह सोच कर तकलीफ महसूस करता हूं कि जितनी ऊर्जा एवं धन लगाए गए, उसका एक हिस्सा भी अगर अपने देश में खेल की बुनियाद में लगाया गया होता, तो उससे क्या हासिल हो सकता था।' ओलिंपियन विनेश फोगट ने कहा है- 'मैं उम्मीद करती हूं कि कोई वक्त आएगा, जब हम सिर्फ एक दिन के लिए नहीं, बल्कि हर दिन के लिए सचमुच खेल के लिए जाग सकेंगे।' इन टिप्पणियों में एक बेमकसद तमाशे को देख कर दो ऐसे खिलाड़ियों का दर्द झलका है, जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया है। जिस देश में खिलाड़ियों के आगे बढ़ने की राह में खराब इन्फ्रास्ट्रक्चर और संसाधनों की कमी से लेकर यौन शोषण के खतरों तक की बाधाएं आती हों, वहां एक मशहूर विदेशी खिलाड़ी की झलक- उनका खेल नहीं- दिखाने का जो तमाशा हुआ, उस पर आक्रोश ही जताया जा सकता है। इसीलिए बिंद्रा की इस सलाह पर सबको ध्यान देना चाहिए कि 'मेसी का जयगान कर लेने के बाद अब वक्त आत्म-निरीक्षण का है'।

बिहार के बड़े नेताओं को जोर का झटका

हरिशंकर व्यास

एक महीने पहले नवंबर में बिहार में भारतीय जनता पार्टी को बड़ी जीत मिली। पहली बार भाजपा बिहार विधानसभा के चुनाव नतीजों में सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरी। इस जीत ने पार्टी के अनेक नेताओं के कद में बड़ा इजाफा किया। लेकिन नतीजों के एक महीने बाद भाजपा ने बिहार के नितिन नबीन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बना कर बिहार के तमाम बड़े नेताओं को जोर का झटका दिया। केंद्रीय मंत्री, बिहार के उप मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, दूसरे राज्यों के प्रभारी, केंद्रीय संगठन में पद संभाल रहे तमाम नेता एक झटके में धराशायी हुए। सोचें, इन सबकी श्रेणी में नितिन नबीन कहीं नहीं थे। यह जरूर है कि उनको जो काम दिया जाता था उसे पूरी निष्ठा से निभाते थे।

चाहे छत्तीसगढ़ में सह प्रभारी और प्रभारी के तौर पर काम करना हो या नीतीश सरकार में मंत्री पद की जिम्मेदारी हो, उसमें वे चुपचाप काम करते थे। साथ ही ऊपर के दोनों शीर्ष नेताओं के संपर्क में थे। उनका भरोसा हासिल कर रहे थे। बाकी नेताओं की तरह उनका भौकाल नहीं था और न मीडिया में वे नायक बने थे। कायस्थ जाति से होने और बिहार में भाजपा की सबसे सुरक्षित राजधानी पटना की शहरी सीट से जीतने की वजह से भी वे बहुत ज्यादा सुर्खियों में नहीं रहते थे।

उनके भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते ही बिहार के सारे बड़े नेता दूसरी कतार में आ गए। सब उनके अधीनस्थ हो गए। वैसे भी भाजपा में हिसाब किताब कांग्रेस की तरह नहीं है। कांग्रेस में तो प्रदेश का या केंद्र का कोई भी नेता नेहरू गांधी परिवार के सदस्यों को छोड़ कर दूसरे किसी को नेता स्वीकार नहीं करता है। लेकिन भाजपा में सबको अध्यक्ष जी का नेतृत्व स्वीकार करना होता है। सिर्फ उन लोगों को छोड़ कर जिन्होंने अध्यक्ष बनवाया होता है। सो, मोदी और शाह को छोड़ कर बाकी सबके लिए नितिन नबीन अध्यक्ष जी हो गए हैं।

बिहार भाजपा में दोनों उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा की क्या स्थिति होगी यह सोचा जा सकता है। दोनों के नितिन नबीन के सामने अदब से पेश आना है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय जो अब तक अमित शाह के सबसे करीबी थे और बिहार में कई मामलों में अपने हिसाब से फैसले कराते थे। उनको भी अब नितिन नबीन के पास ही जाना होगा। राज्य सरकार के मंत्री, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और पश्चिम बंगाल के प्रभारी मंगल पांडेय भी नितिन नबीन को रिपोर्ट करेंगे। केंद्रीय मंत्रियों में गिरिराज सिंह और उस समय के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल को सबने देखा कि वे पटना से नितिन नबीन के साथ दिल्ली आए और हवाईअड्डे पर उनके पीछे पीछे चल रहे थे।

बिहार के प्रभारी महासचिव विनोद तावड़े गुलदस्ता लेकर हवाईअड्डे पर खड़े थे नितिन नबीन के स्वागत के लिए। भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह प्रभारी संजय मयूख स्वागत के समय उनके हाथ से गुलदस्ता लेकर रख रहे थे। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव और बिहार में कायस्थ नेता के तौर पर तेजी से उभर रहे ऋषिराज सिन्हा का क्या होता है यह देखने वाली बात होगी? क्या नितिन नबीन की जगह बिहार में मंत्री बनेंगे या संजय मयूख दिल्ली से पटना भेज जाएंगे? जो हो, सरकार और संगठन के तमाम बड़े नेता नई और बदली हुई परिस्थितियों में एडजस्ट करने के प्रयास में लगे हैं।

वोट बैंक का लालच बना है पर्यावरण विनाश का कारण

योगेंद्र योगी

वोट बैंक का लालच सत्तारुढ़ दलों को इस कदर हाथ बांधे रखने के लिए मजबूर रखता है कि बेशक प्राकृतिक आपदाओं के विनाश से लोगों की जान ही क्यों न चली जाए। इसकी सरकारों को चिंता—परवाह नहीं है। लगता है उनका एकमात्र उद्देश्य बन गया है हर हाल में वोट बैंक को बनाए रखना। ऐसी प्रवृत्ति की पुनरावृत्ति तब सामने आई सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार के प्रति जबरदस्त नाराजगी जताई। सुप्रीम कोर्ट ने वन भूमि पर अतिक्रमण के मामले में उत्तराखंड सरकार की कड़ी आलोचना की। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार और उसके अधिकारी मूकदर्शक की तरह बैठे रहे और अदालत ने खुद मामले में संज्ञान लेते हुए केस दर्ज किया। इस मामले में सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की अवकाशकालीन पीठ ने उत्तराखंड के मुख्य सचिव को एक जांच समिति गठित करने और रिपोर्ट प्रस्तुत प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

प्राकृतिक आपदाओं की दृष्टि से उत्तराखंड देश का सर्वाधिक संवदेनशील राज्य है। हर साल होने वाली प्राकृतिक आपदा भारी तबाही मचाती है। जिससे जान—माल का भारी नुकसान होता है। इसका प्रमुख कारण है प्रकृति से छेड़छाड़। इसमें विकास के नाम पर वनों का विनाश और वन भूमि पर अतिक्रमण प्रमुख है। पिछले आठ वर्षों में उत्तराखंड में प्राकृतिक आपदाओं के कारण 3,554 लोगों की जान गई, 5,948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ। मानसून का मौसम लगातार घातक साबित होता है, जिससे राज्य की पहले से ही नाजुक भूभाग पर हर साल एक नया घाव हो जाता है। बादल फटने से धारली में आई भीषण बाढ़ में 5,948 लोग घायल हुए और अरबों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ।

उत्तराखंड एक खतरनाक चक्र में फंस गया है। व्यापक और सक्रिय आपदा प्रबंधन के अभाव में, देवभूमि (देवताओं की भूमि) प्रकृति के प्रकोप से लगातार क्षतिग्रस्त होती रहेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि दशकों से हो रही देवदार के पेड़ों की कटाई ही

उत्तरकाशी में बादल फटने की बढ़ती घटनाओं का मुख्य कारण है। देवदार के पेड़ों की जड़ें घनी होती हैं जो मिट्टी को बांधकर रखती हैं, कटाव को रोकती हैं और भारी बारिश या भूस्खलन के दौरान मलबे और पानी के बहाव को रोककर संवेदनशील हिमालयी क्षेत्रों की रक्षा करती हैं। वैज्ञानिकों का स्पष्ट मत है कि यदि धराली में ऐतिहासिक देवदार के वन क्षेत्र बरकरार रहते, तो इस आपदा का प्रभाव काफी हद तक कम हो जाता, या शायद नगण्य ही हो जाता।

एक समय उत्तराखंड के ऊंचे और हिमालयी क्षेत्र ङ्क विशेष रूप से समुद्र तल से 2,000 मीटर से ऊपर के इलाके ङ्क देवदार के घने जंगलों से आच्छादित थे। प्रति वर्ग किलोमीटर में औसतन 400 से 500 देवदार के पेड़ पाए जाते थे। वन, जो प्राकृतिक ढलानों को स्थिर रखते हैं, उनकी कमी से जल निकासी बाधित होती है और पारिस्थितिकी तंत्र कमजोर होता है, जिससे आपदाओं का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। पेड़-पौधे मिट्टी को जकड़कर रखते हैं। जब पेड़ कटते हैं, तो मिट्टी ढीली पड़ जाती है और भारी बारिश के दौरान आसानी से बह जाती है, जिससे भूस्खलन और मलबा प्रवाह होता है, जैसा कि 2013 के केदारनाथ आपदा में देखा गया था।

5 अगस्त, 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के धराली में आई विनाशकारी आपदा ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के प्रति हिमालयी राज्य की दीर्घकालिक संवेदनशीलता को उजागर कर दिया था। इस त्रासदी में 66 लोग लापता हुए। पिछले एक दशक में राज्य में लगभग 18,464 प्राकृतिक आपदाएँ दर्ज की गई, जिनसे भारी नुकसान हुआ है। उत्तराखंड का इतिहास कई बड़ी आपदाओं से भरा पड़ा है। वर्ष 1991 के उत्तरकाशी भूकंप में 768 लोगों की जान गई, उसके बाद 1998 के मालपा भूस्खलन (225 मौतें) और 1999 के चमोली भूकंप (100 मौतें) का नंबर आता है। साल 2013 की केदारनाथ बाढ़ सबसे विनाशकारी रही, जिसमें 5,700 से अधिक लोगों की जान गई, जबकि 2021 की रेनी आपदा में मरने वालों की संख्या में 206 रही। पिछले एक दशक में दर्ज की गई 18,464 घटनाओं में से चौंका देने वाली 12,758 घटनाएं भारी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ के कारण हुईं।

भारत में 2024-2025 के आंकड़ों के अनुसार, 13,000 वर्ग किलोमीटर से ज़्यादा वन भूमि पर अतिक्रमण है, जो कि दिल्ली, सिक्किम और गोवा के कुल क्षेत्रफल से भी ज़्यादा है। मध्य प्रदेश और असम सबसे ज़्यादा प्रभावित राज्य हैं, जहाँ लाखों हेक्टेयर भूमि पर कब्जा है, जबकि पूर्वोत्तर राज्यों में भी बड़ी मात्रा में वन भूमि अतिक्रमित है। जिससे वन, वन्यजीव और पर्यावरण को गंभीर खतरा है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय द्वारा देश भर में वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध में जारी आंकड़ों के मुताबिक वन भूमि पर सर्वाधिक अतिक्रमण वाले राज्यों में मध्य प्रदेश और असम सबसे आगे हैं, जहाँ सबसे ज़्यादा वन क्षेत्र पर अवैध कब्जे हैं। इसके अलावा कर्नाटक, महाराष्ट्र और ओडिशा जैसे राज्य भी महत्वपूर्ण अतिक्रमण वाले राज्यों की सूची में शामिल हैं। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु मंत्रालय ने वन भूमि पर अतिक्रमण के संबंध राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण (एनजीटी) को सौंपी एक रिपोर्ट में बताया था कि मार्च 2024 तक 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल 13,05,668.1 हेक्टेयर (या 13,056 वर्ग किमी) वन क्षेत्र अतिक्रमण के अंतर्गत था। इनमें राज्यों और केंद्रशासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, असम, अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दादर और नगर और दमन और दीव, केरल, लक्षद्वीप, महाराष्ट्र, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, सिक्किम मध्य प्रदेश, मिजोरम और मणिपुर शामिल हैं।

इसके अलावा बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, नागालैंड, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर और लद्दाख ऐसे राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं जिन्होंने वन अतिक्रमण से संबंधित आंकड़े और विवरण प्रस्तुत नहीं किए। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश की सरकारें पर्यावरण और वनों के विनाश को रोकने के लिए कितनी चिंतित हैं। यह मुद्दा राजनीतिक दलों के एजेंडे में शामिल नहीं है। कारण साफ है इससे वोट नहीं मिलते, उल्टे वन भूमि पर अतिक्रमियों को हटाने से वोट बैंक का नुकसान होता है। यही वजह है कि सभी दल ऐसे मुद्दों पर चुप्पी साधे रहते हैं। इसके बावजूद कि पर्यावरण बिगड़ने से होने वाली तबाही की कीमत देश को हर साल भारी जान—माल से चुकानी पड़ती है।

किसी भी नेता व कार्यकर्ता का ऐसी इच्छा करना स्वाभाविक है

सुनील दास

राजनीति ही नहीं हर क्षेत्र में काम करने वाले लोग इसलिए काम करते हैं कि वह भविष्य में कुछ बनना चाहते हैं। हर क्षेत्र के लोग जो छोटे पद पर रहते हैं वह चाहते हैं कि वह भी एक दिन किसी बड़े पद पर पहुंचे।अपने जीवन में वह कई लोगों को छोटे पद से बड़े पद पहुंचते हुए देखते हैं तो स्वाभाविक रूप से वह भी कहते हैं कि एक दिन वह भी किसी बड़े पद पर पहुंचना चाहते हैं।हर कोई शुरुआत छोटे पद से करता है लेकिन वह चाहता है कि वह जिस संस्था,संगठन में काम करता है, वहां उसे भी उसी तरह बड़े पद पहुंचने का मौका मिले जिस तरह किसी दूसरे संगठन में मिलता है। एक संगठन में नेता व कार्यकर्ता को ऐसा करने का मौका नहीं मिलता है तो कभी कभी बरबस उसके मुंह से उस संस्था व संगठन की तारीफ निकल जाती है जहां जमीन पर बैठे कार्यकर्ता को सबसे बड़े पद तक पहुंचने का मौका मिलता है। कांग्रेस के बड़े नेता दिग्विजय सिंह ने संघ व भाजपा की तारीफइस बात के लिए की है कि वहां कार्यकर्ता को सीएम से लेकर पीएम बनने का मौका मिलता है तो संगठन की ताकत के कारण तो तारीफ यूं ही नहीं की है। दिग्विजय सिंह कांग्रेस के बड़े नेता हैं। वह कुछ भी कहेंगे तो माना जाएगा कि उन्होंने ऐसा कहा है तो यूं नहीं कहा है, वह एक पार्टी के संगठन की तारीफ कर रहे है तो वह इस बात की शिकायत भी हो सकती है कि हमारे यहां कोई कार्यकर्ता सीएम से पीएम क्यों नहीं बन पाता है।सही मायने में यह दिग्विजय सिंह ही नहीं आम कांग्रेस कार्यकर्ता की शिकायत ही है कांग्रेस कार्यकर्ता को सीएम से लेकर पीएम बनने का मौका क्यों नही मिलता है,कांग्रेस कार्यकर्ता की बात सुनी क्यों नहीं जाती है। कांग्रेस में संगठन की मजबूती की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जाता है।यह कोई नहीं सोचता है कि संगठन मजबूत होगा तो इससे पार्टी मजबूत होगी।पार्टी मजबूत होगी तो वह चुनाव जीतेगी।दिग्विजय सिंह सीधे कह नहीं रहे है कि कांग्रेस में परिवार की मजबूती की ओर जितना ध्यान दिया जाता है,उतना ध्यान पार्टी के संगठन की मजबूती की ओर नहीं दिया जाता है क्योंकि कांग्रेस में ऐसा कहने की हिम्मत कोई नहीं करता है जिसे पार्टी में रहना है, उसे परिवार की मजबूती की बात कहनी होगी,परिवार की मजबूती को सबसे ज्यादा जरूरी बताना होगा। कांग्रेस के लिए मजबूत पार्टी जरूरी नहीं है,कांग्रेस के लिए गांधी परिवार सबसे ज्यादा जरूरी है, कांग्रेस के ज्यादातर नेता तो यही मानते हैं कि गांधी परिवार है इसलिए कांग्रेस पार्टी है, वह यह नहीं मानते हैं कि कांग्रेस है तो गांधी परिवार है।गांधी परिवार के बिना कांग्रेस नेता कांग्रेस की कल्पना ही नहीं कर सकते।वह तो मानते हैं कि जब तक गांधी परिवार है तबतक कांग्रेस है। गांधी परिवार रहेगा तो कांग्रेस भी रहेगी। गांधी परिवार नहीं रहेगा तो कांग्रेस भी नहीं रहेगी। एक समय तो ऐसा भी था जब एक कांग्रेस नेता ने कहा था कि इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा। यानी देश की कल्पना भी कांग्रेस नेता गांधी परिवार के बिना नहीं कर सकते थे। गांधी परिवार कार्यकर्ता को सीएम तो बना सकता है, जिस कार्यकर्ता को चाहे गांधी परिवार सीएम बना सकता है। जब चाहे किसी सीएम को पद से हटा सकता है। ऐसा हुआ है इसलिए कांग्रेस के नेता यह नहीं कह सकते कि उनके यहां कार्यकर्ताओं को सीएम बनने का मौका नहीं मिलता है। उस कार्यकर्ता को ही मिलता है जो गांधी परिवार का वफादार होता है और अपनी वफादारी साबित करता रहता है।जहां तक पीएम पद का सवाल है तो उस पर गांधी परिवार का ही हक माना जाता है यानी कोई पीएम बनेगा तो वह गांधी परिवार से ही बनेगा। यही बात कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं को बुरी लगती होगी कि भाजपा में ऐसा होता है कि जमीन पर बैठा हुआ सामान्य कार्यकर्ता सीएम बनता है उसके बाद पीएम भी बनता है। भाजपा में ऐसा होता है तो कांग्रेस में ऐसा क्यों नहीं होता है। सबसे बड़ा पद भाजपा में कार्यकर्ता के लिए है तो सबसे बड़ा पद कांग्रेस में कार्यकर्ता के लिए क्यो नहीं है। गांधी परिवार या गांधी परिवार के वफादार के लिए ही क्यों है।कांग्रेस में उदाहरण दिया जा सकता है कि मनमोहन सिंह पीएम बने थे लेकिन सब जानते हैं कि वह योग्यता कारण बने नहीं थे, वह बनाए गए थे,गांधी परिवार ने उनको पसंद किया था इसलिए बनाए गए थे।वह गांधी परिवार के वफादार थे इसलिए बनाए गए थे,सब जानते हैं कि मनमोहन सिंह पीएम थे तो सुपर पीएम सोनिया गांधी थी। भाजपा में कार्यकर्ता को सीएम से लेकर पीएम तक बनने का मौका है।यह मौका पीएम मोदी के आने के बाद से और ज्यादा कार्यकर्ताओं को मिल रहा है।

कृषि क्षेत्र में भारत की कामयाबी का नया मुकाम: साल 2025 का सफर

साल 2014 में प्रधानमंत्री मोदी के सत्ता संभालने के एक दशक बाद, भारत का कृषि क्षेत्र साल 2025 तक पूरी तरह से बदल चुका है। कभी कम उत्पादकता, कीमतों में अनिश्चितता और आयात पर निर्भरता से ग्रस्त व्यवस्था, अब रिकॉर्ड उत्पादन, किसानों की सुनिश्चित आय, वैज्ञानिक नवाचार और दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता से भरपूर है।

दरअसल 2025 को महत्वपूर्ण बनाने के पीछे कोई एक योजना या आंकड़ा नहीं है, बल्कि 11 वर्षों के सुधारों का एक सुसंगत और भविष्य के लिए तैयार कृषि ढांचे में एकीकरण है।

बिखराव से केंद्रित दृष्टिकोण की ओर- 2025 में शुरू की गई प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना (पीएमडीडीकेवाई) ने लक्षित और नतीजों पर फोकस करने वाले कृषि सुधार की दिशा में एक अहम कदम उठाया। केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित और जुलाई में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित यह योजना, 100 कम प्रदर्शन वाले जिलों पर केंद्रित है और इसका मकसद 1.7 करोड़ किसानों को लाभ पहुंचाना है। इसके लिए प्रतिवर्ष 24,000 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, ताकि कम उत्पादकता, जल संकट और ऋण की कमी जैसी मुश्किलों का समाधान किया जा सके।

11 मंत्रालयों की 36 कृषि योजनाओं को एकीकृत करके, पीएमडीडीकेवाई ने खंडित कार्यान्वयन को जिला-स्तरीय समन्वय में तब्दील कर दिया है। एडीपी से प्रेरित यह योजना सिंचाई, भंडारण, प्रौद्योगिकी, प्रशिक्षण और संस्थागत ऋण को प्राथमिकता देती है, जो मिशन-आधारित कृषि बदलाव और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम का संकेत है।

दलहन: आत्मनिर्भरता की ओर एक रणनीतिक सफलता- वर्ष 2025 में, भारत ने आयात पर निर्भरता कम करने के लिए 11,440 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन की शुरुआत की। इस मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक 350 लाख टन दलहन उत्पादन और 310 लाख हेक्टेयर में दलहन की खेती करना है। पहली बार, तुअर, उड़द और मसूर उगाने वाले किसानों को बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण बीज वितरण के साथ चार वर्षों के लिए 100त्न न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) खरीद का आश्वासन दिया गया है। करीब 2 करोड़ किसानों को लाभ पहुँचाने वाला यह मिशन, मूल्य श्रृंखलाओं को मजबूत करता है, आय को स्थिर करता है और पोषण सुरक्षा को बढ़ावा देता है, जो दलहन में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ी सफलता है।

कृषि-उद्योग संबंध को मज़बूत बनाना: कपास मिशन- केंद्रीय बजट 2025-26 में घोषित पांच वर्षीय कपास मिशन का मकसद, किसानों को विज्ञान और प्रौद्योगिकी संबंधी मदद देकर उत्पादकता बढ़ाना है, खासकर अतिरिक्त लंबे रेशे वाली कपास की।

गुणवत्तापूर्ण कपास की लगातार आपूर्ति करके, यह मिशन भारत के वस्त्र क्षेत्र को मजबूत करता है, जहां 80त्न क्षमता लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) द्वारा संचालित है। साथ ही यह कृषि को औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता का प्रमुख चालक बनाकर, खेतों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने के 5एफ दृष्टिकोण को और मज़बूत करता है।

रिकॉर्ड उत्पादन: एक दशक के सुधारों का परिणाम- इन नीतिगत फैसलों का असर साल 2025 में साफ तौर पर दिखाई दिया। कृषि मंत्रालय द्वारा नवंबर 2025 में जारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने 2024-25 में 357.73 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन के साथ अब तक का सबसे उच्च स्तर हासिल किया।

यह 2015-16 की तुलना में 106 मिलियन टन से अधिक की वृद्धि दर्शाता है, जब उत्पादन 251.54 मिलियन टन था, जो पिछले दस वर्षों में दर्ज की गई सबसे बड़ी वृद्धि है।

2025 में घोषित प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:

चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 1,501.84 लाख टन- गेहूं का उत्पादन 1,179.45 लाख टन रहा, जो हाल के इतिहास में सबसे अधिक वार्षिक वृद्धि है

दालों का उत्पादन 256.83 लाख टन तक पहुंचा

तिलहन का उत्पादन रिकॉर्ड 429.89 लाख टन तक पहुंचा- 2025 की पहली तिमाही में, भारत के कृषि क्षेत्र ने 3.7त्न की वृद्धि दर्ज की, जिससे यह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती कृषि अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हासिल की गई संरचनात्मक स्थिरता को दर्शाती है।

एमएसपी: नीतिगत वादे से आय संरक्षण तक

इस बदलाव का एक ज़रुरी स्तंभ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मजबूत करना रहा है। 2014 से पहले, सीमित खरीद के कारण एमएसपी अक्सर प्रतीकात्मक ही रहता था। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में, एमएसपी को एक वास्तविक आय संरक्षण व्यवस्था के रूप में संस्थागत रूप दिया गया है।

2025 में, सरकार ने 14 खरीफ फसलों और सभी अनिवार्य रबी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि को मंजूरी दी, जिसमें उत्पादन लागत के 1.5 गुना एमएसपी निर्धारित करने के सिद्धांत का सख्ती से पालन किया गया।

दशक भर की तुलना से साफ होता है:

धान की खरीद (2014-15 से 2024-25) 7,608 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई, जबकि इससे पिछले दशक में यह 4,590 लाख मीट्रिक टन थी। धान किसानों को एमएसपी भुगतान बढ़कर 14.16 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो 2014 से पहले भुगतान की गई राशि से तीन गुना से अधिक है।

14 खरीफ फसलों के लिए कुल एमएसपी भुगतान 16.35 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया, जबकि पहले यह 4.75 लाख करोड़ रुपए था।

वर्ष 2025 तक, एमएसपी महज़ एक घोषणा न रहकर, किसानों के लिए एक विश्वसनीय आर्थिक गारंटी बन गया।

विज्ञान और सतत् विकास पर फोकस- 2025 में, भारत जीनोम-संपादित चावल की किस्मों को विकसित और जारी करने वाला विश्व का पहला देश बन गया, जो कृषि विज्ञान में एक वैश्विक उपलब्धि है।

डीआरआर धान 100 (कमला) और पूसा डीएसटी राइस 1, ये दो किस्में काफी अधिक उपज, शीघ्र परिपक्वता और लवणता तथा क्षारीयता के प्रति सहनशीलता प्रदान करती हैं। अनुशंसित क्षेत्र में खेती से 45 लाख टन अतिरिक्त धान का उत्पादन होने, उत्पादन लागत में कमी आने और जलवायु परिवर्तन के प्रति सशक्तिकरण होने की उम्मीद है।

सतत् विकास पर भी समान रूप से जोर दिया गया। महाराष्ट्र द्वारा मात्र 30 दिनों में 45,911 ऑफ-ग्रिड सौर कृषि पंपों की स्थापना, जिसे 2025 में गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स द्वारा मान्यता दी गई, भारत के हरित कृषि की ओर तेज़ी से बढ़ते कदम का प्रतीक है।

राष्ट्रीय प्राथमिकता के रूप में कृषि- सार्वजनिक निवेश इस रणनीतिक फोकस को दर्शाता है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के लिए बजटीय आवंटन में भारी वृद्धि हुई है, जो 2013-14 में 21,933.50 करोड़ रुपए से बढ़कर 2025-26 में 1,27,290.16 करोड़ रुपए हो गया है और यह प्रधानमंत्री मोदी की सरकार में किसानों को दी गई प्राथमिकता को दर्शाता है।

निष्कर्ष: साल 2025 - भारतीय किसानों के लिए आत्मविश्वास का वर्ष- वर्ष 2025 प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कृषि सुधारों के एक दशक की सफलता का प्रतीक है। इसने दिखाया कि कैसे सुसंगत नीति, सुनिश्चित मूल्य, वैज्ञानिक नवाचार और एकीकृत शासन कृषि क्षेत्र को विश्वास से भर सकते हैं।

रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और मजबूत एमएसपी से लेकर पीएमडीडीकेवाई और दलहन में आत्मनिर्भरता जैसी परिवर्तनकारी पहलों की मदद से, वर्ष 2025 में भारतीय कृषि की पुरानी परिभाषा अब बिल्कुल बदल चुकी है। अब यह स्थिरता, आत्मनिर्भरता और आकांक्षा से परिभाषित होती है, जो प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के दृष्टिकोण के साथ मज़बूती से जुड़ी हुई है।

सर्दियों में अपने खाने में डालें एक चम्मच घी

सर्दियों में घी खाने के एक नहीं अनेक फायदे होते हैं। ठंडे मौसम में शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा, गर्मी और पोषण की बहुत जरूरत होती है। ऐसे में घी इन सारी शारीरिक जरूरतों को पूरा करता है। साथ ही जोड़ों के दर्द से भी बहुत राहत देता है।

सर्दियों के आते ही लोग आमतौर पर अपने खान-पान में बदलाव करते हैं, ताकि वे गर्म और स्वस्थ रहें। वे ऐसे भोजन की तलाश करते हैं, जो ऊर्जा, आराम और पोषण देकर ठंडे मौसम से निपटने में मदद करें। घी ऐसा ही एक खाद्य पदार्थ है, जो लंबे समय से कई पारंपरिक भारतीय व्यंजनों और आयुर्वेदिक परंपराओं में शामिल रहा है। घी जरूरी फैट, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर एक पौष्टिक खाद्य पदार्थ है। अपने खाने में एक चम्मच घी मिलाने से आप कई तरह के स्वास्थ्य लाभ हासिल कर सकते हैं, खासकर सर्दियों में।

ठंडे मौसम में जब शरीर को अतिरिक्त ऊर्जा, गर्मी और पोषण की आवश्यकता होती है, तो ये पोषक तत्व विशेष रूप से फायदेमंद होते हैं। सर्दियों के मौसम में संपूर्ण स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए अपने भोजन में एक चम्मच घी मिलाने के कुछ अविश्वसनीय फायदे मिलते हैं।

घी खाने के स्वास्थ्य लाभ

बढ़ती है रोग प्रतिरोधक क्षमता- घी में ब्यूटिरेट, एक शॉर्ट-चेन फैटी एसिड प्रचुर मात्रा में होता है, जिसमें सूजन-रोधी और रोग प्रतिरक्षा बढ़ाने वाले गुण होते हैं। लिहाजा, यह प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने, संक्रमण और बीमारियों के जोखिम को कम करने के लिए एक बेहतरीन भोजन बनाता है।

पाचन में लाता है सुधार- अपने गर्म गुणों के साथ घी पाचन एंजाइमों के संश्लेषण को बढ़ावा देता है, जो भोजन के बेहतर पाचन में मदद करते हैं। नतीजतन, आपके भोजन के वसा में घुलनशील विटामिन और पोषक तत्व बेहतर अवशोषित होते हैं।

त्वचा में लाता है नमी- ओमेगा-3 फैटी एसिड त्वचा की परतों में नमी को बनाए रखने में मदद करते हैं। वहीं, घी त्वचा को अंदर से पोषण देने में मदद करता है, जिससे यह हाइड्रेटेड और कोमल बनी रहती है। इसके अतिरिक्त, त्वचा की बनावट में सुधार या शुष्क क्षेत्रों को शांत करने के लिए घी को बाहरी रूप से लगाया जा सकता है। यह सर्दियों में होने वाली त्वचा की समस्याओं को दूर करता है।

वजन बनाए रखता है- एक उच्च वसा वाला भोजन होने के बावजूद, घी का सेवन कम मात्रा में करने से अच्छे वजन को बनाए रखने में मदद मिल सकती है। घी में मौजूद मध्यम-श्रृंखला फैटी एसिड (एमसीएफए) शरीर की वसा को अधिक प्रभावी ढंग से जलाने और चयापचय को बढ़ाने की क्षमता में सहायता करते हैं।

जोड़ों के दर्द से राहत- सर्दियों के दौरान नियमित रूप से घी खाने से जोड़ों की अकड़न को कम करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही गतिशीलता बढ़ाने और ठंड के मौसम में होने वाले बार-बार दर्द से राहत मिलती है। घी ऊर्जा देता है, जो काम करने, व्यायाम करने या रोजमर्रा की गतिविधियों में आपको गतिशील बनाए रखती है। भोजन के साथ एक चम्मच घी ब्लड शुगर के स्तर को स्थिर रखती है। एक चम्मच घी ऊर्जा की कमी को पूरा करता है और शारीरिक और मानसिक प्रदर्शन अच्छा रहता है।

खाना ही नहीं, पीने की चीजें भी बढ़ाती हैं यूरिक एसिड

यूरिक एसिड बढ़ने से किडनी और जोड़ों की बीमारी हो सकती है। इनसे बचने के लिए हाई प्यूरीन फूड का सेवन नहीं करना चाहिए। लेकिन इसके साथ कुछ पीने की चीजों से भी दूरी बना लेनी चाहिए। आइए जानते हैं कि कौन से 5 परहेज इस बीमारी से बचाने में मदद करते हैं।

यूरिक एसिड शरीर के लिए एक अपशिष्ट पदार्थ है, यानी इसका कुछ ज्यादा इस्तेमाल नहीं है। लेकिन अगर खून में इसका लेवल (हाइपरयूरिसीमिया) बढ़ जाता है तो किडनी और जोड़ों में खतरनाक बीमारी बन सकती है। अक्सर लोगों को लगता है कि प्यूरीन से भरे फूड खाने से ही यूरिक एसिड का लेवल बढ़ता है, लेकिन ऐसा नहीं है। हाई यूरिक एसिड के नुकसान क्या हैं? कई सारी पीने की चीजें भी यूरिक एसिड के बढ़ने का कारण बन सकती हैं। इनके अंदर भी प्यूरीन होता है। आंख बंद करके इन्हें पीने की गलती किडनी को भुगतनी पड़ सकती है। क्योंकि हाई यूरिक एसिड धीरे-धीरे किडनी स्टोन कर सकता है। साथ ही जोड़ों की गठिया बीमारी का खतरा भी बनाता है। हाई यूरिक एसिड से बचने के लिए 5 परहेज का ध्यान जरूर रखें। इसमें खाने और पीने दोनों की सावधानी शामिल है। साथ में कुछ और परहेज भी बताए हैं जो यूरिक एसिड को कम रखने के लिए जरूरी हैं।

हाई प्यूरीन फूड से बचें

प्यूरीन के पचने के बाद शरीर यूरिक एसिड बनाता है। इसलिए हाई प्यूरीन वाले फूड्स का सेवन कम करके या बिल्कुल दूर होकर इस अपशिष्ट पदार्थ को बढ़ने से रोका जा सकता है। मेडलाइन प्लस के मुताबिक रेड मीट, ऑर्गन मीट, कुछ सीफूड में प्यूरीन ज्यादा हो सकता है।

मीठे फल और शहद खाएं कम

अगर आपको हाई यूरिक एसिड है तो मीठे फल या शहद का सेवन बिल्कुल कम कर दें। क्योंकि इनके अंदर फ्रुक्टोज नाम की नेचुरल शुगर होती है। बॉडी जब इसे तोड़ती है तो प्यूरीन बनता है जो कि यूरिक एसिड का लेवल बढ़ा सकता है।

इन पीने की चीजों से भी रहें दूर

शराब पीने से यूरिक एसिड लेवल तेजी से बढ़ सकता है। क्योंकि बियर जैसी एल्कोहॉलिक ड्रिंक में हाई प्यूरीन हो सकता है। साथ ही कम प्यूरीन वाली एल्कोहॉलिक ड्रिंक भी शरीर में प्यूरीन का उत्पादन बढ़ा सकती हैं। इसके अलावा मीठी ड्रिंक्स का सेवन भी कम कर दें।

वजन और ब्लड शुगर न बढ़ने दें

अगर आप यूरिक एसिड के खतरनाक नुकसानों से बचना चाहते हैं तो कभी भी मोटापा और ब्लड शुगर को कंट्रोल से बाहर न जाने दें। क्योंकि दोनों समस्याओं की वजह से किडनी का फंक्शन धीमा पड़ सकता है। जिसकी वजह से शरीर से पूरा यूरिक एसिड बाहर नहीं निकल पाता और खून में बढ़ने लगता है।

ऐसी दवाइयों पर रखें ध्यान

कुछ शोध मानते हैं कि खास प्रकार की दवाइयों का सेवन करने की वजह से भी यूरिक एसिड जमा हो सकता है। जिनमें एस्पिरिन, डयूरेटिक्स, विटामिन बी3, इम्यून सप्रेसिंग ड्रिग, टीबी की एक दवा, कुछ बीपी की दवाएं आदि शामिल हैं। अगर आप इनका उपयोग कर रहे हैं तो यूरिक एसिड का लेवल चेक करते रहें।

क्या खाएं, क्या पीएं?

यूरिक एसिड कम करने के लिए आपको कुछ चीजों का सेवन बढ़ा देना चाहिए। ये चीजें इस समस्या से बचाने का भी काम करती हैं। सबसे पहले तो अपनी डाइट में फाइबर से भरपूर फूड और सब्जियों को शामिल करें। चेरीज का सेवन बेहतर माना जाता है। इसके अलावा बिना मीठे की कॉफी और पानी का पर्याप्त सेवन भी करना चाहिए।

कच्चे दूध को पीने से हो सकती है मिल्क बोर्न इलनेस

आमतौर पर पाश्चुराइजेशन और तमाम प्रोसेसिंग के बाद दूध को पैकेटबंद करके घर-घर पहुंचाया जाता है। कुछ लोग कच्चे दूध को पीना अधिक स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं। जबकि सच्चाई यह है कि कच्चा दूध पीने से कई मिल्क बोर्न इलनेस यानी दूध की वजह से होने वाली बीमारियों के होने की आशंका बढ़ जाती है, जिसे फूड पॉयजनिंग भी कह सकते हैं। कच्चे दूध को पीने से शरीर के इम्यूनिटी सिस्टम का कई जीवाणुओं जैसे E. Coli, लिस्टीरिया और सालमोनेला बैक्टीरिया आदि से सीधा संपर्क होता है। पाश्चुराइजेशन की क्रिया इन बैक्टीरिया को नष्ट कर देती है और दूध को पीने के लिए सुरक्षित बनाती है।

हो सकती हैं ये समस्याएं भी

मगर, कच्चा दूध पीने से कमजोर इम्यून सिस्टम वाले लोग, खासतौर से बच्चे, बूढ़े और प्रेग्नेंट महिलाओं को तेजी से मिल्क बोर्न इलनेस होने की आशंका होती है। प्रेग्नेंसी के दौरान लिस्टीरिया जर्म के संपर्क में आने से मिसकैरेज या बीमार नवजात का जन्म हो सकता है। कच्चे दूध या कच्ची सब्जियां खाने से ऐसी स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। कच्चा दूध पीने से शारीरिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

ऐसे दिख सकते हैं इसके लक्षण

- डायरिया
- उल्टी
- पेट में मरोड़
- पेट में दर्द
- गैस
- सिरदर्द
- बदन दर्द
- बुखार

अति गंभीर मामलों में इससे गुलियन-बैरे सिंड्रोम की आशंका बढ़ जाती है, जिसमें पैरालिसिस, किडनी फेल, स्ट्रोक या डेथ भी हो सकती है।

ये संकेत बताते हैं कि आप हैं सुपर स्ट्रेस में, इनसे बचने के आसान हैं तरीके

जरूरत से ज्यादा तनाव लेने पर शरीर और मन कई तरह से संकेत देने लगता है। मगर, लोग उसे समझ ही नहीं पाते हैं। लिहाजा, उनका इलाज भी नहीं हो पाता है। ऐसे में जरूरत है कि आप समय पर इसके लक्षणों को पहचानें और उससे उबरने के तरीकों पर ध्यान दें।

स्ट्रेस आजकल के जीवनशैली का एक अभिन्न अंग बन चुका है। स्ट्रेस किसी भी रूप में किसी को भी हो सकता है। हमारे शरीर पर स्ट्रेस कई रूप में दिखता है। हमें ऐसा लगता है कि स्ट्रेस मात्र एक मेंटल हेल्थ डिसऑर्डर है, लेकिन असल में ये मानव शरीर को हर तरीके से प्रभावित करता है। पूरा शरीर, दिल और दिमाग अपने तरीके से स्ट्रेस में होने के संकेत देता है। जरूरत है तो इन्हें समझने की और इनके अनुसार अपने जीवनशैली में बदलाव लाने की। तो आइए जानते हैं कि शरीर किस तरह इस बात का संकेत देता है कि आप हैं सुपर स्ट्रेस में-

क्या आप भी महसूस करते हैं ऐसा

शरीरिक लक्षण- सिरदर्द, बदन दर्द, मांसपेशियों में तनाव, माइग्रेन, उल्टी, मितली, पेटदर्द, पेट में ऐंठन या डायरिया। भूख कम या जरूरत से अधिक लगना।

भावनात्मक बदलाव- स्ट्रेस हमारी भावनाओं पर अटैक करता है। इससे मूड स्विंग, चिड़चिड़ापन, एंजाइटी, चिंता, अवसाद जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। शांत होने में या रिलैक्स महसूस करने में समय लग सकता है। हर समय लो मूड और उदासी सी महसूस होती है।

बौद्धिक लक्षण- स्ट्रेस से बौद्धिक क्षमता में कमी होती है। इससे फोकस करने में कमी, निर्णय क्षमता में कमी, भूलने की समस्या बढ़ने लगती है। लगातार चिंता और दिमाग में तेजी से आते विचार बौद्धिक क्षमता को कम करते हैं।

व्यवहारिक बदलाव- किसी काम में आपकी प्रोडक्टिविटी कम हो जाती है। आप आसानी से चौंक जाते हैं या डर कर कांपने लगते हैं। अपनी पर्सनल केयर का ख्याल नहीं रखते। नाखून चबाते हैं। हर बात पर चिड़चिड़ा जाते हैं या ओवर रिएक्ट करते हैं।

आध्यात्मिक बदलाव- भगवान पर भरोसा कम होने लगता है। पूजा पाठ या तीज त्योहार में मन नहीं लगता है। जीवन के सकारात्मक पहलुओं को इग्नोर करते हैं और अपने जीवन का लक्ष्य ही समझ नहीं आता है।

सुपर स्ट्रेस के लक्षणों से ऐसे निपटें

- नींद पूरी करें। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए यह जरूरी है।
- काम से ब्रेक लें और जगह बदलें। कहीं घूमने जाएं और मूड फ्रेश करें।
- नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। स्ट्रेस से उबरने में मदद मिलती है।
- प्रतिदिन योग और ध्यान करने के साथ ही डीप ब्रीदिंग करना नहीं भूलें।
- जिस काम में दिलचस्पी हो, उसे जरूर करें। इससे दिमाग शांत होता है।
- किसी से बातें करें। अकेले अपने अंदर स्ट्रेस को दबाकर रखने से बचें।
- अगर कोई आपको नहीं समझे, तो बिना संकोच काउंसलर की मदद लें।

ज्वाइंट पेन से उठने-बैठने में है समस्या इन एक्सरसाइजों से पाएं राहत

ज्वाइंट पेन से राहत पाने के लिए एक्सरसाइज जरूरी है। खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली से यह समस्या बढ़ती है। लो इंपैक्ट एक्सरसाइज, जोड़ों पर दबाव न बनाएं, दर्द में राहत दिलाती हैं। नियमित एक्सरसाइज से स्थिति बेहतर हो सकती है।

आजकल लगभग सभी घरों में ज्वाइंट पेन से पीड़ित कोई न कोई जरूर मिल जाएगा। खराब खानपान और निष्क्रिय जीवनशैली ने सम्पूर्ण सेहत के साथ समझौता किया है, इसलिए कैल्शियम युक्त पौष्टिक खानपान के साथ जरूरी है। ऐ एक्सरसाइज भी जरूर की जाएं, जिससे ज्वाइंट पेन में राहत मिले। ऐसी ही कुछ सरल एक्सरसाइज करें, जिससे जोड़ों पर बहुत दबाव न बने और लो इंपैक्ट वाली एक्सरसाइज इस ज्वाइंट पेन से राहत भी दिलाए।

जोड़ों में दर्द उठना एक बेहद मुश्किल समय होता है। उठने बैठने में तकलीफ बेड रेस्ट और आराम करने पर मजबूर कर देती है। सच्चाई ये है कि ज्वाइंट पेन में जरूरत से ज्यादा बेड रेस्ट किया जाए, तो ये स्थिति को और भी बिगाड़ सकता है। जरूरी है कि ज्वाइंट पेन में आप नियमित रूप से एक्सरसाइज करें। ज्वाइंट पेन में कौन सी एक्सरसाइज जरूरी है, जो जोड़ों पर आवश्यकता से अधिक दबाव न बनाए और दर्द से राहत भी दिलाए...

वॉकिंग- दिनभर चले बिना किसी का काम नहीं चलता। ये एक ऐसी बेसिक जरूरत है जिसके ऊपर सभी अपने दैनिक क्रियाकर्मो के लिए निर्भर हैं। लेकिन मात्र उठ कर अपना काम कर लेना एक्सरसाइज नहीं कहलाता। कम से कम 20 मिनट या आधा घंटा वॉक जरूर करें। अधिक देर तक बैठे न रहें क्योंकि ये आपके कमर और कंधे की हड्डियों को जाम करता है और फिर ये दर्द में बदल जाता है। इसलिए वॉक करना न भूलें।

स्विमिंग- ये एक लो इंपैक्ट एक्सरसाइज है जो जोड़ों पर कम दबाव डालती है। स्विमिंग के दौरान पानी का दबाव शरीर के वज़न को झेलता है जिससे जोड़ों पर कम दबाव पड़ता है। इससे एक प्रकार की रेजिस्टेंस होती है जो कि मांसपेशियों को मजबूत बनाती है। ये फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाने के साथ वेट लॉस में भी मददगार साबित होती है जिससे जोड़ों पर दबाव कम होता है और ज्वाइंट पेन से राहत मिलती है।

स्ट्रेचिंग- ये मांसपेशियों के दर्द और खिंचाव से राहत दिलाता है। एल्बो बेंड, एक पैर से बैलेंस, पंजों से अल्फाबेट लिखने की क्रिया आदि जैसी हल्की फुल्की स्ट्रेचिंग मांसपेशियों में फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ाती है और ज्वाइंट पेन और कमज़ोरी से भी राहत दिलाती है।

साइक्लिंग- स्टडी बताती है कि साइक्लिंग करने से ऑस्टियोआर्थराइटिस के ज्वाइंट पेन से राहत मिलती है। ये जोड़ों के तनाव को कम करता है और ज्वाइंट पेन को दूर करता है। फिर भी अगर साइक्लिंग करने से दर्द बढ़ता है तो डॉक्टर के निर्देश पर ही इसे करें।

'द डर्टी पिक्चर' विद्या के करियर का टर्निंग पॉइंट

हिंदी सिनेमा की बेहतरीन अभिनेत्रियों में शुमार विद्या बालन का सफर आसान नहीं रहा। टेलीविजन, फिल्मों और बंगाली सिनेमा में कई बार रिजेक्शन झेलने के बाद उन्हें 2005 में फिल्म 'परिणीता' से हिंदी सिनेमा में पहली बड़ी पहचान मिली। हालांकि, असली मायनों में उनके करियर की दिशा बदलने वाली फिल्म 2011 में रिलीज हुई 'द डर्टी पिक्चर' साबित हुई, जिसने न सिर्फ उनकी छवि बदली बल्कि उन्हें एक नई ऊंचाई पर भी पहुंचा दिया।

फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखते समय विद्या को कई तरह की कसौटियों से गुजरना पड़ा। कभी उनकी शारीरिक बनावट पर सवाल उठे, तो कभी रंग और लुक को लेकर उन्हें नकार दिया गया। इन तमाम चुनौतियों के बावजूद विद्या ने अपने अभिनय पर भरोसा बनाए रखा। 'द डर्टी पिक्चर' उनके करियर का वह मोड़ बनी, जिसने यह साबित कर दिया कि सशक्त अभिनय किसी भी रूढ़ सोच से कहीं ऊपर होता है।

'द डर्टी पिक्चर' एक महिला प्रधान फिल्म थी, जिसमें इमरान हाशमी और तुषार कपूर जैसे कलाकार मौजूद थे, लेकिन पूरी लाइमलाइट विद्या बालन ने अपने नाम कर ली। दिलचस्प बात यह है कि यह फिल्म पहले अभिनेत्री कंगना रनौत को ऑफर हुई थी। बोल्ड स्क्रिप्ट के चलते कंगना ने इसे करने से इनकार कर दिया था, लेकिन बाद में फिल्म की जबरदस्त सफलता के बाद उन्होंने इस फैसले पर अफसोस भी जताया था।

इस फिल्म के लिए विद्या को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अपने किरदार में पूरी तरह ढलने के लिए उन्होंने करीब 12 किलोग्राम वजन बढ़ाया। इतना ही नहीं, फिल्म की शूटिंग के दौरान विद्या ने 100 से ज्यादा अलग-अलग कॉस्ट्यूम पहने। शूटिंग से पहले ही उनके किरदार को ध्यान में रखते हुए करीब 100 कॉस्ट्यूम डिजाइन किए गए थे, जो फिल्म की कहानी और किरदार की पहचान का अहम हिस्सा बने।

18 से 20 करोड़ रुपये के बजट में बनी 'द डर्टी पिक्चर' ने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया और सुपरहिट साबित हुई। इस फिल्म ने विद्या बालन को नेशनल अवॉर्ड दिलाया और इसके बाद उन्हें 'कहानी', 'हमारी अधूरी कहानी', 'मिशन मंगल' और 'भूल भुलैया 3' जैसी कई सफल फिल्मों के ऑफर मिलने लगे। वाकई, 'द डर्टी पिक्चर' विद्या बालन के करियर की वह फिल्म रही, जिसने उनकी किस्मत और पहचान दोनों बदल दीं।

आयुष्मान खुराना को जुगाड़ लगाकर मिला था यह रोल

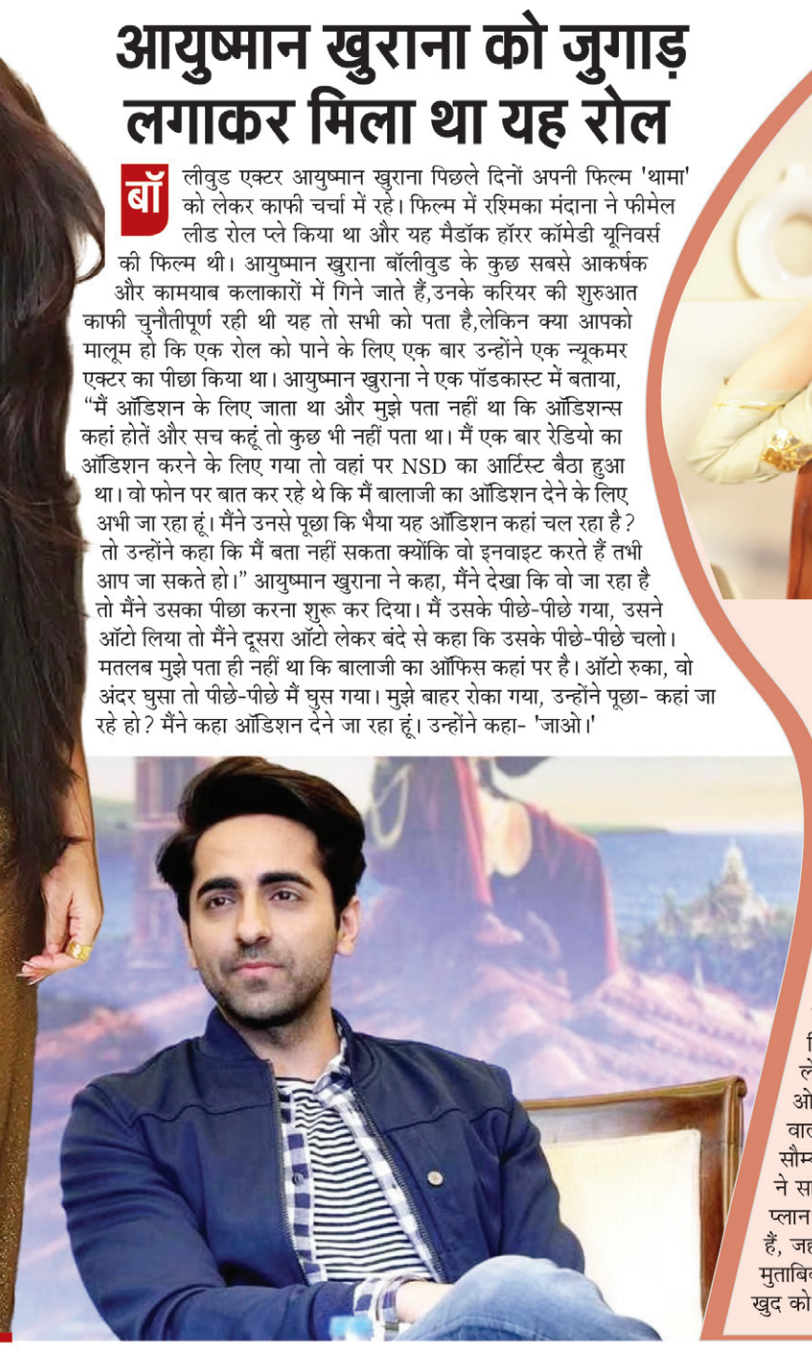

बॉलीवुड एक्टर आयुष्मान खुराना पिछले दिनों अपनी फिल्म 'थामा' को लेकर काफी चर्चा में रहे। फिल्म में रश्मिका मंदाना ने फीमेल लीड रोल प्ले किया था और यह मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म थी। आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के कुछ सबसे आकर्षक और कामयाब कलाकारों में गिने जाते हैं,उनके करियर की शुरुआत काफी चुनौतीपूर्ण रही थी यह तो सभी को पता है,लेकिन क्या आपको मालूम हो कि एक रोल को पाने के लिए एक बार उन्होंने एक न्यूकमर एक्टर का पीछा किया था। आयुष्मान खुराना ने एक पॉडकास्ट में बताया, "मैं ऑडिशन के लिए जाता था और मुझे पता नहीं था कि ऑडिशन्स कहां होतें और सच कहूं तो कुछ भी नहीं पता था। मैं एक बार रेडियो का ऑडिशन करने के लिए गया तो वहां पर NSD का आर्टिस्ट बैठा हुआ था। वो फोन पर बात कर रहे थे कि मैं बालाजी का ऑडिशन देने के लिए अभी जा रहा हूं। मैंने उनसे पूछा कि भैया यह ऑडिशन कहां चल रहा है? तो उन्होंने कहा कि मैं बता नहीं सकता क्योंकि वो इनवाइट करते हैं तभी आप जा सकते हो।" आयुष्मान खुराना ने कहा, मैंने देखा कि वो जा रहा है तो मैंने उसका पीछा करना शुरू कर दिया। मैं उसके पीछे-पीछे गया, उसने ऑटो लिया तो मैंने दूसरा ऑटो लेकर बंदे से कहा कि उसके पीछे-पीछे चलो। मतलब मुझे पता ही नहीं था कि बालाजी का ऑफिस कहां पर है। ऑटो रुका, वो अंदर घुसा तो पीछे-पीछे मैं घुस गया। मुझे बाहर रोका गया, उन्होंने पूछा- कहां जा रहे हो? मैंने कहा ऑडिशन देने जा रहा हूं। उन्होंने कहा- 'जाओ।'

अब आगे बढ़ चुकी हूं : सौम्या टंडन

टीवी इंडस्ट्री के सबसे लोकप्रिय कॉमेडी शोज में शामिल 'भाबीजी घर पर हैं' एक बार फिर चर्चा में हैं। हाल ही में शो के नए अवतार 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में शिल्पा शिंदे की वापसी की खबर सामने आई, जिसके बाद फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई। इसी के साथ यह सवाल भी जोर पकड़ने लगा कि क्या शो की पहली और सबसे लोकप्रिय 'गोरी मैम' यानी सौम्या टंडन भी एक बार फिर दर्शकों के बीच लौटेंगी। अब इन तमाम अटकलों पर खुद सौम्या टंडन ने खुलकर जवाब दिया है। शिल्पा शिंदे की वापसी के बाद सोशल मीडिया पर पुराने कलाकारों की वापसी को लेकर कयास लगाए जाने लगे थे। दर्शकों का मानना था कि अगर शो अपने ओरिजिनल फॉर्मेट में लौट रहा है, तो अनीता भाभी का मशहूर किरदार निभाने वाली सौम्या टंडन की एंट्री भी हो सकती है। हालांकि, एक इंटरव्यू के दौरान सौम्या ने इन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया। एक इंटरव्यू में सौम्या टंडन ने साफ कहा कि उनका फिलहाल 'भाबीजी घर पर हैं 2.0' में लौटने का कोई प्लान नहीं है। उन्होंने बताया कि वह अपने करियर के उस पड़ाव से आगे बढ़ चुकी हैं, जहां बार-बार पुराने किरदारों में लौटना उनके लिए सही नहीं होगा। सौम्या के मुताबिक, वह इस समय नए और अलग तरह के प्रोजेक्ट्स पर ध्यान दे रही हैं और खुद को दोहराना नहीं चाहतीं।

2025 की सबसे बड़ी फिल्म निकली चीन की एनिमेटेड मूवी

इन दिनों अगर किसी फिल्म का नाम सबसे ज्यादा गूंज रहा है तो वह धुरंधर फिल्म है। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने तूफान ला दिया है और वर्ल्डवाइड कमाई 1100 करोड़ रुपये के पार पहुंच चुकी है। यहां तक कि जेम्स कैमरून की बहुचर्चित फिल्म अवतारः फायर एंड एश भी धुरंधर की आंधी में फीकी पड़ती नजर आई। लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा सवाल उठता है आखिर साल 2025 की सबसे बड़ी और सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म कौन सी है? इस सवाल का जवाब जानकर आप हैरान रह जाएंगे, क्योंकि यह फिल्म न तो धुरंधर है, न अवतार और न ही छावा। साल 2025 में बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों ने कई बड़ी फिल्में दीं। एक तरफ बॉलीवुड में धुरंधर और छावा जैसी फिल्मों ने धूम मचाई, तो वहीं हॉलीवुड अवतारः फायर एंड एश और एनाकोंडा जैसी फिल्मों के साथ आया। लेकिन इन सभी को पीछे छोड़ दिया चीन की एक एनिमेटेड फैंटेसी फिल्म ने झा 2 (Ne Zha 2) ने। जनवरी 2025 में रिलीज हुई इस चीनी एनिमेटेड फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा इतिहास रचा, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। भले ही यह एक एनिमेटेड फिल्म हो, लेकिन इसे देखने वाले दर्शकों की संख्या किसी लाइव-एक्शन ब्लॉकबस्टर से कम नहीं रही। हालांकि, झा के पहले पार्ट ने भी शानदार बिजनेस किया था, लेकिन ने झा 2 ने तो सारे रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 18,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है। इसी के साथ यह फिल्म दुनिया की टॉप 5 सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो गई है। इतना ही नहीं, साल 2025 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का खिताब भी अब ने झा 2 के नाम दर्ज हो चुका है।

कियारा आडवाणी के लिए शानदार रहा साल 2025

नए साल 2026 के आगमन से ठीक पहले, बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी ने साल 2025 की यादों को ताज़ा करते हुए इसे अपने जीवन का सबसे यादगार साल बताया है। यह साल अभिनेत्री के लिए व्यक्तिगत और व्यावसायिक, दोनों स्तरों पर शानदार रहा, जिसमें उन्होंने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

साल 2025 की शुरुआत में ही कियारा की दो बड़ी फिल्में रिलीज हुईं, जहां उन्होंने हिंदी और तमिल-तेलुगु दोनों ऑडियंस को प्रभावित किया। 'गेम चेंजर' यह तेलुगु-भाषा की एक्शन थ्रिलर फिल्म थी, जिसमें वह राम चरण के साथ नज़र आईं। हालांकि फिल्म की ओवरऑल कमाई औसत रही, लेकिन आलोचकों ने कियारा के किरदार की जमकर तारीफ की। 'वॉर-2': इस फिल्म में कियारा ने ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर जैसे बड़े हीरोज़ के साथ काम किया। फिल्म का प्रदर्शन औसत रहा, लेकिन इसमें कियारा के बोल्ड अवतार ने फैंस का दिल जीत लिया। प्रोफेशनल उपलब्धियों के अलावा, कियारा ने इस साल फैशन की दुनिया के सबसे बड़े इवेंट 'मेट गाला' में भी डेब्यू किया। उनके इस इवेंट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं, जहां वह अपने क्यूट बेबी बंप के साथ नज़र आईं, जिसे फैंस ने बेहद पसंद किया।

तान्या मित्तल से भी ज्यादा अमीर निकली अशनूर कौर

'बिग बॉस 19' की अशनूर कौर पिछले 16 सालों से टीवी इंडस्ट्री में काम कर रही हैं। उन्होंने अपने दम पर मुंबई में घर लिया है और अब उन्होंने उस घर की झलक दिखाई है। अशनूर के घर में एडवांस टेक्नोलॉजी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल हुआ है,जिसकी वजह से लोग ये कह रहे हैं कि वह तान्या मित्तल से भी ज्यादा अमीर लग रही हैं। आइए आपको उनके घर की तस्वीरें दिखाते हैं। अशनूर ने नयनदीप रक्षित को बताया कि ये गोल्डन टेंपल की पेंटिंग है और रोज सुबह शब्द से होती है। उन्होंने ये भी बताया कि वह पिछले 10 साल से नय साल की शुरुआत बाबाजी के आशीर्वाद से करती हैं। वह अपने परिवार के साथ तखत सचखंड श्री हजूर साहिब, नांदेड़ जाती हैं और वहीं अपना न्यू ईयर मनाती हैं। अशनूर ने बताया कि उनके घर में छोटा-सा बार भी है। हालांकि, न वो और न उनके पापा ड्रिंक करते हैं। ये बार सिर्फ मेहमानों की खातिरदारी के लिए है। उन्होंने अपने घर में लगीं हाईटेक चीजें भी दिखाईं। उन्होंने बताया कि उनके घर की सारी लाइट्स और पर्दों को एलेक्सा से कंट्रोल किया जाता है। इसके अलावा उनकी फ्रीज भी काफी एडवांस टेक्नोलॉजी वाली है। जहां अशनूर का पूरा घर उनकी मम्मा ने डिजाइन किया है, वहीं उनका कमरा उन्होंने खुद डिजाइन किया है। उन्होंने बताया कि उन्हें वाइट कलर बहुत पसंद है और जब उनका मूड खराब होता है तब वह अपनी बालकनी में खड़े होकर बाहर देखती रहती हैं और अपने पसंद के गाने सुनती हैं।

बिकिनी में छाईं मौनी-स्ट्रैपलेस ड्रेस में दिशा पाटनी का सिजलिंग लुक

ऐक्ट्रस मौनी रॉय और दिशा पाटनी बेस्ट फ्रेंड्स हैं। दोनों अक्सर साथ में चिल करती हुई दिखाई देती हैं। अब दोनों साथ न्यू ईयर वेकेशन एन्जॉय कर रही हैं। मौनी ने वेकेशन की कई तस्वीरें अपने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर की हैं। कुछ तस्वीरों में एक्ट्रेस ब्लैक बिकिनी में दिखाई दीं। बिकिनी संग उन्होंने व्हाइट शीयर स्लिट ड्रेस कैरी की, जो उनपर काफी जंच रही है। मौनी ने बिकिनी में पूल किनारे कई किलर पोज दिए। नो-मेकअप लुक में भी वो सुपर स्टनिंग लगीं। एक्ट्रेस के इलेक्ट्रिफइंग अंदाज ने फैंस का दिल जीत लिया है। कुछ तस्वीरों में मौनी बैकलेस ऑरेंज शॉर्ट ड्रेस में दिखाई दीं। बीच पर दोस्तो संग वो फुल ऑन मस्ती के मूड में देखी जा सकती हैं। मौनी दोस्तों संग हर पल को यादगार बना रही हैं। मौनी के साथ दिशा पाटनी भी बीच पर चिल करती हुई दिखाई दीं। पिंक कलर की ऑफ शोल्डर ड्रेस में दिशा का सिजलिंग लुक देखते ही बनता है। दिशा और मौनी के बोल्ड अंदाज पर फैंस दिल हार रहे हैं। उनके बीच लुक से नजरें हटाना भी मुश्किल है। दोनों की तस्वीरें देखकर हीं अंदाजा लगा सकते हैं कि वो अपने दोस्तों संग कितना अच्छा टाइम स्पेंड कर रही हैं।

टीवी की ये हसीना बनने वाली है करोड़पति यूट्यूबर की दुल्हन!

जी हां, टीवी की इस पॉपुलर एक्ट्रेस को लेकर काफी लंबे वक्त से खबरें हैं कि वो अभिषेक मल्हान यानी फुकरा इंसान को डेट कर रही हैं। अब इंगेजमेंट को लेकर भी चर्चा तेजी पर है। ये हसीना कोई और नहीं बल्कि जिया शंकर हैं। जी हां, एक्ट्रेस का नाम पिछले काफी वक्त से अभिषेक मल्हान के संग जोड़ा जा रहा है। जल्द ही फुकरा इंसान यानी अभिषेक मल्हान और जिया शंकर सगाई करने जा रहे हैं। रिपोर्ट में ये भी दावा किया जा रहा है कि अभिषेक मल्हान और जिया शंकर अपना रिश्ता ऑफिशियल कर चुके हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 के दौरान दोनों की दोस्ती हुई थी। बिग बॉस के घर में ही दोनों करीब आए थे और उनके अफेयर की खबरें तेज हो गई थीं। घर के बाहर भी लोगों ने अभिषेक संग जिया का नाम जोड़ना शुरू कर दिया था। अभिषेक मल्हान के साथ जिया शंकर को एक म्यूजिक वीडियो में देखा गया। जिसके बाद से दोनों के अफेयर की चर्चाएं और भी तेज हो गई। 2024 में जिया और अभिषेक ने ऑफिशियल तौर पर अपना रिश्ता खत्म कर दिया था। उन्होंने कहा था कि वो दोस्त से कभी भी ज्यादा नहीं थे। लेकिन अब एक साल बाद फिर से जिया और अभिषेक का रिश्ता चर्चा में है। हालांकि, सगाई को लेकर दोनों में से किसी ने ऑफिशियल तौर पर कुछ नहीं कहा है।

काम का बोझ, तनाव ने बढ़ाई हिना-रॉकी के बीच दूरी?

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान ने हाल ही में बताया कि उनके लिए इंटिमेसी यानी करीबी रिश्ते का क्या मतलब है। उन्होंने अपने पति रॉकी जायसवाल के लिए अपना प्यार और ग्रैटिट्यूड खुलकर जाहिर किया। हिना ने कहा कि 13 साल साथ रहने के बाद भी रॉकी उन्हें खास महसूस कराने का कोई मौका नहीं छोड़ते। हिना और रॉकी इन दिनों मालदीव में छुट्टियां मना रहे हैं और वहां से लगातार अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर कर रहे हैं। हिना ने एक वीडियो शेयर किया जहां उन्होंने पति का लिखा एक खास नोट दिखाया। इस जेस्चर ने हिना को भावुक कर दिया। उन्होंने कैप्शन में अपने दिल का हाल बताया। हिना ने बताया कि कैसे पिछले 13 सालों से रॉकी हमेशा उन्हें प्यार और सम्मान का एहसास कराते आए हैं। हिना ने लिखा- ये उनके प्यार जताने का एक तरीका है। पिछले एक दशक से यही उनकी 'लव लैंग्वेज' रही है। हम दुनिया में कहीं भी घूमने जाएं, वो मेरे लिए ऐसे प्यार भरे नोट छोड़ते हैं। मैं खुद को बहुत खुशकिस्मत मानती हूं। जब आपका पति आपकी मेहनत को समझे, आपको उतनी ही गहराई से प्यार करे जितना पहले करता था, बल्कि हर दिन और ज्यादा प्यार करे, तो वो एहसास बहुत अच्छा होता है। हिना ने आगे बताया कि लंबे समय के रिश्ते में कई बार शारीरिक नजदीकियां पीछे रह जाती हैं और ऐसे में छोटे-छोटे रोमांटिक इशारे ही रिश्ते को खूबसूरत बनाते हैं। वो लिखती हैं- मेरे अनुभव में रिश्ते में कई वजहों से कभी-कभी फिजिकल इंटिमेसी कम हो जाती है, जैसे तनाव, काम का बोझ, दूरियां, सेहत, हार्मोनल बदलाव, जिम्मेदारियां या रिश्ते में चल रहा मुश्किल दौर। मैं ये नहीं कह रही कि ये जरूरी नहीं है, ये उतनी ही अहम है, लेकिन लंबे रिश्ते में कई बार ये पीछे चली जाती है, खासकर तब जब आप एक-दूसरे के साथ दस साल से ज्यादा समय बिता चुके हों और साथ में कई मुश्किलें झेली हों। हिना ने आगे लिखा- रिश्ते को आगे बढ़ाए रखने वाली चीज है इमोशनल इंटिमेसी, बार-बार एक-दूसरे को चुनना और हर हाल में साथ बने रहने की चाह। रिश्ता हमेशा दो तरफा होता है, आप जैसा देंगे, वैसा ही पाएंगे। बात इतनी सी है।

खबर-खास

वीर बाल दिवस पर गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों के अदम्य साहस को किया गया नमन

पाटन (समय दर्शन)। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय जामगांव आर में राष्ट्रीय सेवा योजना के संयोजन से महाविद्यालय में वीर बाल दिवस मनाया गया। धर्म की रक्षा की खातिर अपने जीवन की परवाह ना करते हुए गुरु गोविंद सिंह जी के पुत्रों बाबा जोरावर सिंघ और बाबा फत्तेह सिंघ जी के अदम्य साहस को कहानी और शॉर्ट मूवी के द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा विद्यार्थियों के बीच वीर बाल दिवस पर रंगोली , ड्राइंग प्रतियोगिता तथा नाट्य प्रदर्शन का आयोजन हुआ। महाविद्यालय प्राचार्य डॉ शिखा अग्रवाल ने देश और धर्म रक्षा के लिए सिख समुदाय के प्रयासों को साझा किया। राष्ट्रीय सेवा योजना प्रभारी श्रीमती चेतना सोनी ने माता गुजरी जो गुरु तेग बहादुर जी की पत्नी और गुरु गोविंद सिंघ जी की माता थी की कहानी सुना कर यह बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपने पोतों की शहादत सुन कर अपने प्राण त्याग दिए। संपूर्ण कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक थानेश्वर साहू, सोनाली, तनुजा, गायत्री, दुर्गेश्वरी , जयरानी, सेवती का सहयोग रहा। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी अधिकारियों कर्मचारियों का सहयोग रहा।

कैलेण्डर नव वर्ष के अवसर महामाया मंदिर व शीतला मंदिर में अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने सपत्नीक किया पूजा अर्चना

पाटन(समय दर्शन)। नव वर्ष 2026 के उपलक्ष्य पर पाटन नगर पंचायत के अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने सपत्नीक नगर में प्रसिद्ध माँ महामाया मंदिर व माँ शीतला मंदिर में पूजा अर्चना कर नगरवासियों एवं प्रदेशवासियों के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना किया। इस अवसर पर योगेश निक्की भाले ने सभी को नए वर्ष 2026 की शुभकामनाएं दी व 6 जनवरी दिन मंगलवार को नगर में भव्य मंडाई (मेला) का आयोजन किया गया है जिसमें सभी प्रदेशवासियों को आमंत्रित किया है।

पूजा अर्चना में नगर की प्रथम महिला मुख्या रीना भाले,उपाध्यक्ष निशा योगेश सोनी,सभापति व वार्ड 11 पार्षद केवल देवांगन,सभापति व वार्ड 2 पार्षद जितेन्द्र निर्मलकर,सभापति व वार्ड 15 पार्षद देवेन्द्र ठाकुर,वार्ड 1 पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन,लता भाले,ईश्वरी भाले,योगेश सोनी सहित उनके परिवार जन उपस्थित रहे।

युवा वैज्ञानिक गौरव चंद्राकर को अंधविश्वास जागरुकता अभियान की दी गई जिम्मेदारी

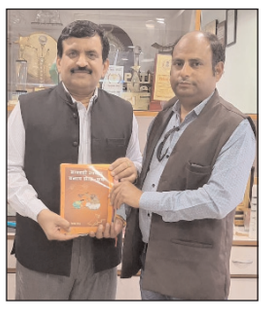

पिथौरा(समय दर्शन)। समाज में आज भी अंधविश्वास का बोलबाला है। छोटे से लेकर बड़ी सी बड़ी गंभीर बीमारी के इलाज तक में लोग टोटकों, झाडा फूंकी जैसे अंधविश्वास पर यकीन रखते हैं। आज विज्ञान के युग में भी किसी बच्चे के रोने या बड़े लोगों की अचानक तबियत खराब होने पर भी किसी दूसरे इंसान की बुरी नजर लगने जैसी बातों पर यकीन रख कर बैगा गुनिया ओझा के पास झाड़ फूंक कराते हैं।जो समाज के विकास के लिए बड़ी बाधा है। इसलिए समाज को ऐसे अंधविश्वास के प्रति जागरूकता अभियान चलाकर कर विकास के मूख्य धारा में जोड़ने की जरूरत है। वनांचल दुरस्त क्षेत्रों के अलावा शहरों में भी अंधविश्वास मानने की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। जगह जगह नीम हकीम बैगा गुनिया लोग दुकान चला रहे जो बीमारी से पीड़ित परिवार को अपनी शिकार बनाते हैं। अंतत: लोग अंधविश्वास के चक्कर में फंसकर धन और तन दोनों गंवा बैठते हैं। इसलिए हमें हर स्तर पर लोगों को जागरूक करना है।यह बात डॉ दिनेश मिश्रा अंधविश्वास उन्मूलन समिति के अध्यक्ष ने कहीं। महासमुंद के युवा वैज्ञानिक एवं संस्कार शिक्षण संस्थान पिथौरा के संचालक गौरव चंद्राकर ने अपनी टीम के साथ अंधविश्वास उन्मुलन समिति के प्रधान कार्यालय फुल चौक रायपुर में अध्यक्ष डॉ दिनेश मिश्रा व समिति के पदाधिकारियों से मिलकर कर कोई नारी टोनही नही अभियान के संबंध में सार्थक चर्चा किया।साथ ही गौरव चंद्राकर को अंधविश्वास उन्मुलन से संबंधित किताबें, पंपलेट भेंट कर महासमुंद जिले में अंधविश्वास जागरूकता कार्यक्रम के लिए अहम् जवाबदारी दी गई।इस पर संस्कार शिक्षण संस्थान और अंधविश्वास उन्मूलन समिति की विशेष चर्चा हुई। ज्ञात हो कि युवा वैज्ञानिक गौरव चंद्राकर स्कूल कालेज में विज्ञान के चमत्कार व हाथ की सफाई की करतब दिखाकर जन जागरुकता फैला रहे। अब अंधविश्वास उन्मुलन समिति के साथ मिलकर नई जिम्मेदारी का निर्वहन करेंगे।

नववर्ष का पहला दिन गुरुवार, साई मंदिर में दर्शन के लिए उमड़े श्रद्धालु

साई मंदिर कसारीडीह में रक्तदाताओं ने रक्तदान कर मानव सेवा का दिया संदेश

दुर्ग (समय दर्शन)। नववर्ष-2026 का गुरुवार को आगाज हुआ। लोगों ने अपने-अपने अंदाज में नववर्ष का स्वागत कर जमकर खुशियां मनाई। नववर्ष के पहले दिन की शुरुआत कई लोगों ने मंदिर पहुंचकर की। यहां उन्होने अपने आराध्य देवी-देवताओं और गुरुजनों की पूजा-अर्चना कर नववर्ष उनके परिजनों के लिए खुशियों से भरा रहे कामना की, वहीं कई लोगों ने सैर सपाटा कर नववर्ष की खुशियां मनाई। जिससे गुरुवार को धार्मिक स्थलों के अलावा पिकनिक स्पॉटो व गॉर्डनों में नववर्ष की खुशियां गुलजार रही। नववर्ष-2026 का पहला दिन गुरुवार होने से कसारीडीह सिविल लाईन स्थित प्रसिद्ध श्री साई बाबा मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालु की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही यहां श्री साई बाबा के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारे लगी रही, वहीं भजन-कीर्तन की धुन गुंजायमान रही। जिसके धुन में नाच-गाकर श्रद्धालु अपनी श्रद्धा-भक्ति प्रकट करते रहे। दर्शन के श्रद्धालु की कतारों का यह सिलसिला मंदिर में देर रात तक जारी रहा। श्री साई बाबा मंदिर समिति का सेवा के बढ़ते कदम सूत्र वाक्य है। लिहाजा मंदिर समिति द्वारा नववर्ष के पहले दिन की शुरुआत सेवा कार्य से की गई। मंदिर परिसर में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में हर वर्ग के लोगों ने उत्साह के साथ शामिल होकर रक्तदान किया और महादान के कहावत को चरितार्थ किया।

यह रक्तदान शिविर सन्ना ब्लड एण्ड कम्पोनेन्ट सेंटर रामनगर सुपेला भिलाई के बैनरतले और श्री साई मंदिर समिति के सहयोग से आयोजित किया गया। शिविर में 25 यूनिट रक्त संग्रहित किए गए।

दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना से सशक्त हुआ दाम्पत्य जीवन

राज्य शासन के दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना से सवरेगा दिव्यांग दाम्पत्य जीवन

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्य शासन के दूरदर्शी एवं संवेदनशील नेतृत्व में समाज के कमजोर एवं विशेष आवश्यकता वाले वर्गों के कल्याण हेतु प्रभावी योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी क्रम में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत जिला गरियाबंद की एक दिव्यांग दम्पत्ति को लाभान्वित किया गया है।छुरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम कुटेना, पोस्ट पाण्डुका निवासी कुलेश्वरी निषाद (उम्र 34 वर्ष),जो 45 प्रतिशत अस्थिबाधित हैं तथा उनके पति लकेश निषाद (उम्र 24 वर्ष),जो 40 प्रतिशत श्रवण बाधित हैं,उक्त योजना के अंतर्गत सहायता प्रदान की गई।योजना के प्रावधान अनुसार पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने पर एक लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाती है। इसके तहत दम्पत्ति को एक लाख की राशि स्वीकृत कर प्रदाय की गई।प्राप्त प्रोत्साहन राशि से दम्पत्ति ने अपने दाम्पत्य जीवन को सुदृढ़ आधार प्रदान किया है।आज वे किसी पर आश्रित न होकर आत्मनिर्भरता के साथ सुखमय एवं सम्मानजनक जीवन यापन कर रहे हैं। योजना से मिली सहायता ने न केवल आर्थिक संबल दिया,बल्कि आत्मविश्वास एवं सामाजिक सम्मान को भी सुदृढ़ किया है।दिव्यांग विवाह प्रोत्साहन योजना राज्य शासन की समावेशी एवं जनकल्याणकारी सोच का उदाहरण है,जो दिव्यांगजनों को सशक्त बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने में महत्वपूर्ण है।

केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने किया ऐतिहासिक सिरपुर के पुरातात्विक स्थलों का निरीक्षण

पुरातत्व स्थलों को संरक्षित और संवर्धित किया जाएगा - केंद्रीय मंत्री शेखावत

महासमुन्द (समय दर्शन)। भारत सरकार के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत आज जिला महासमुंद अंतर्गत स्थित ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर के दौरे पर रहे। इस अवसर पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा एवं प्रदेश के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल भी उनके साथ उपस्थित रहे। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री शेखावत का सिरपुर हेलीपैड पर सांसद महासमुंद श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिन्हा, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, पुलिस अधीक्षक प्रभास कुमार एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। इसके पश्चात केंद्रीय मंत्री श्री शेखावत ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थल सिरपुर पहुंचे, जहाँ उन्होंने लक्ष्मण देवालय, आनंद प्रभु कुटी विहार, तीवरदेव विहार, सुरंग टीला एवं स्थानीय हाट बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने सिरपुर की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यटन की दृष्टि से महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सिरपुर भारत की प्राचीन धरोहर का एक महत्वपूर्ण केंद्र है, जिसे राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की आवश्यकता है।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय मंत्री ने संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की प्रगति की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पुरातात्विक स्थलों की मूल संरचना को सुरक्षित रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए। उन्होंने पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर सड़क, साइन बोर्ड, सूचना केंद्र, स्वच्छता एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया। आनंद प्रभु कुटी विहार, सुरंग टीला, तिवरदेव विहार, लक्ष्मण देवालय स्थानीय हाट बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि

सिरपुर में कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जाएगा जिससे पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि यहां आकर गौरव की अनुभूति हो रही है। सिरपुर को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल करने प्रयास जारी है। यहां की ऐतिहासिक, पुरातत्विक और आध्यात्मिक नगरी हमारे समृद्ध संस्कृति और परम्परा का प्रतीक है। इसके संरक्षण और संवर्धन का कार्य किया जाएगा।। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विहारों और मंदिरों के अवशेषों की वर्तमान स्थिति को सहजने और संरक्षित करने पर ज्यादा जोर दिया।

कौशल उद्यमिता विकास कार्यक्रम स्वावलंबन के माध्यम से विद्यार्थियों को आत्म निर्भर बनाने हेतु प्रारंभ हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

पाटन (समय दर्शन)। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय जामगांव आर में विद्यार्थियों को स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ शिखा अग्रवाल के मार्ग दर्शन में कौशल , प्लेसमेंट और करियर गाइडेंस समिति के संयोजन से आर से टी - ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान दुर्ग और बैंक ऑफबड़ौदा के माध्यम से एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश केला जी ने अध्यक्षता करते हुए सफल व्यवसाय स्थापित करने के गुणों को साझा किया। उन्होंने बताया कि एक सफल उद्यमी किस प्रकार ना सिर्फ रोजगार प्रदान करने में सहयोग प्रदान करता है बल्कि देश के आर्थिक विकास में भी अपनी भूमिका निभाता है । ज्ञातव्य हो कि यह कार्यक्रम पूर्णत: निशुल्क है और 64 विधाओं में विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए आर से टी द्वारा आयोजित किया जाता है। शासकीय महाविद्यालय जामगांव आर में पहली बैच में विद्यार्थी गण मोमबत्ती , अगरबत्ती, फिनायल, हर्बल साबुन हॉर्पिक के निर्माण का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। यह प्रशिक्षण संस्था की डी एस टी श्रीमती सरोज साहू द्वारा प्रदान किया जा रहा है। महाविद्यालय की प्राचार्य डा शिखा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को भविष्य में व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए एक नींव बताया जिससे विद्यार्थी भविष्य में सफल उद्यमी बन सकते है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में आर से टी के डायरेक्टर श्री गुलशन सिंह ने विद्यार्थियों से खुली चर्चा के माध्यम से उनकी रुचियों और भावी योजनाओं को जाना और बताया की किस प्रकार आर से टी ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों को उद्यमिता और व्यवसाय प्रारंभ से लेकर उसका विस्तार करने में भी सहयोग दे रही है। मुख्य अतिथि श्री नरेश केला जी ने कार्यक्रम के दौरान इंडस्ट्रियल लेक्चर प्रस्तुत करते हुए अपनी राइस मिल की स्थापना से लेकर इसकी सफलता को प्रस्तुत किया। इसके साथ ही विकसित भारत ड्राइंग प्रतियोगिता में प्रथम गीतांजलि साहू बी एस सी अंतिम, द्वितीय दिव्या यदु बी कॉम और तृतीय शालिनी ठाकुर बी कॉम को नकद पुरस्कार देकर प्रोत्साहित किया गया। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना पर आयोजित छत्तीसगढ़ वेशभूषा के विजेताओं को भी महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा विशेष रूप से पुरस्कृत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत में आर से टी के फैकल्टी श्री अमित कुमार द्वारा आई कंसट्रेशन गेम का आयोजन कर प्रेरित किया। संपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों का योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन और संयोजन स्किल और प्लेसमेंट प्रभारी श्रीमती चेतना सोनी द्वारा किया गया।

ना डिस्को, ना क्लबज नए साल का स्वागत बाबा श्याम के संग

सत्तीचौरा में मधुर भजनों के साथ पुराने साल की बिदाई एवं नये साल का स्वागत

दुर्ग (समय दर्शन)। नये साल की पूर्व रात्रि पर जब पूरा देश जश्न में डूबा था तब छत्तीसगढ़ की धार्मिक नगरी दुर्ग के सत्तीचौरा में नव वर्ष की पूर्व संध्या से लेकर देर रात्रि तक श्याम बाबा का भजन संध्या का आयोजन किया गया। नगर के सत्तीचौरा में आयोजित इस कार्यक्रम का शीर्षक न डिस्को जायेंगे ना होटल जाएंगे, नया साल सांवरिया, तेरे दर पे बिताएंगे रखा गया, जिसमें गंजपत सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी एवं धर्मप्रेमी शामिल हुए। आयोजक समिति के मोहित पुरोहित एवं रिषि गुप्ता ने बताया कि कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायक मयूर मयंक बिंदल डोंगरगढ़ द्वारा हारे का तू है सहारा, साथी हमारा कौन बनेगा और जी कर रहा है आप पे ये जान वार दु जैसे विभिन्न भजन प्रस्तुत किया, जिस पर श्रद्धालु तालियों और जयकारों के साथ झूम उठे। भजन गायिका ट्रिंकल खेमुका आज नहीं तो कब नाचोगे, मच गया शोर सारी नगरी में और विशेष रूप से महिलाओं के लिए गरबा के मधुर भजन गए उन्होंने भजन गाकर भक्तों को भावविभोर कर दिया। भजन संध्या में प्रसिद्ध म्यूजिशियन निर्मल म्यूजिकल ग्रुप में बहुत सुंदर एवं मधुर संगीत की प्रस्तुति दी गयी। गंजपारा प्रीमियर लीग सीजन 2 द्वारा 31 दिसंबर की रात पुराने वर्ष की बिदाई एवं नववर्ष के स्वागत में भजन संध्या का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में गंजपारा वार्ड पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता द्वारा इस कार्यक्रम में वार्ड की आंगनबाड़ी की सहायिका एवं वार्ड की मितानिन दीदियों का सम्मान किया गया, पार्षद द्वारा सभी सहायिकाओं एवं मितानिनियों को शादी, बैग एवं मिष्ठान देकर सम्मानित किया गए, कार्यक्रम में सुश्री पायल जैन समाज सेविका एवं पार्षद प्रतिभा सुरेश गुप्ता अतिथि थी, कार्यक्रम का संचालन एवं आभार व्यक्त जन समर्पण सेवा संस्था के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा बंटी ने किया।

जिला मंत्री की उपस्थिति में विश्व हिन्दू परिषद जमदरहा खंड का गठन

बसना (समय दर्शन)। विश्व हिन्दू परिषद खण्ड समिति का गठन लोहड़ीपुर के बैठक मे किया गया। खण्ड के दायित्वों का घोषणा प्रखंड मंत्री डॉ.भूपेन्द्र कुमार शर्मा के द्वारा जिला मंत्री बसंत देवता के अनुशंसा से किया गया।

खण्ड जमदरहा के लोहड़ीपुर ग्राम के बैठक में, जमदरहा खण्ड के अंतर्गत आने वाले सभी गांवो के लोग उपस्थित थे। इस खण्ड मे आने वाले ग्राम -जमदरहा, जमनीडीह, भालूकोना, पुरुषोत्तमपुर, केलवारडबरी, कुर्मीडीह, लोहड़ीपुर, पतेरापाली, सनबहाली, बनडबरी, ललितपुर एवं गायत्रीपुर हैं। जिसमें खण्ड समिति में अध्यक्ष सालिक राम टंडन लोहड़ीपुर, उपाध्यक्ष तरुण कुमार साहू पुरुषोत्तमपुर, मंत्री देवकुमार सिदार पतेरापाली, सह मंत्री परमेश्वर साहू कुर्मीडीह, सह मंत्री सुखीराम बसंत लोहड़ीपुर, संयोजक राजू दास मानिकपूरी लोहड़ीपुर, सेवा प्रमुख रामेश्वर साव ललितपुर, सत्संग प्रमुख शंकर लाल पटेल केलवारडबरी, गौ रक्षा प्रमुख लक्ष्मी प्रसाद नायक जमनीडीह, प्रचार प्रसार प्रमुख भुवनेश्वर प्रसाद सनबहाली, सह सत्संग प्रमुख धोबीलाल पटेल लोहड़ीपुर का दायित्व क्रमश: दिया गया।

आशा है कि इस खण्ड समिति के मार्गदर्शन से पूरे खण्ड में हिंदुत्व का काम होगा। संगठन के विस्तार की दृष्टी से इस समिति का महत्वपूर्ण योगदान होगा। पूरे खण्ड मे धर्मांतरण गौ तस्करी, जिहाद, पर रोक लगेगी, संगठन की ओर से खण्ड समिति को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। खण्ड समिति को हमेशा जिला एवं प्रखंड का मार्ग दर्शन मिलते रहेगा।

खेल के साथ- साथ गांव के विकास में भागीदारी जरूरी - प्रकाश सिन्हा

पलसापाली में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन कार्यक्रम में पहुंचे जनपद सभापति

बसना (समय दर्शन)। सूर्या क्रिकेट क्लब, पलसापाली (अ) द्वारा आयोजित पांच दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन समारोह हर्षोल्लास और उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जनपद पंचायत बसना के सभापति एवं क्षेत्र के लोकप्रिय जनपद सदस्य प्रकाश सिन्हा उपस्थित रहे।

समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत पलसापाली (अ) के सरपंच प्रतिनिधि वीरू यादव, अंकोरी सोसायटी अध्यक्ष मुरली नायक, आर.के. दास, क्रिकेट क्लब के उपाध्यक्ष विनोद प्रधान, श्याम प्रधान तथा उप सरपंच साहेब लाल पंच रामकृष्ण नेताम प्रमुख रूप से मंचासीन रहे।

अतिथियों का आयोजन समिति एवं ग्रामीणों द्वारा आतिशबाजी एवं पुष्पमालाओं से आत्मीय स्वागत किया गया। समापन मुकाबले में उड़ीसाङ्कजगदलपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त करने के पश्चात अतिथियों ने सभी टीमों से खेल भावना, अनुशासन और सौहार्द के साथ खेल प्रस्तुत करने की अपील की। इस अवसर श्री सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व क्षमता का विकास होता है। उन्होंने युवाओं से खेल के साथ-साथ गांव के विकास एवं सामाजिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में विजेता एवं उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में सूर्या क्रिकेट क्लब के पदाधिकारी भूषण सिदार, अविनेश प्रधान, जुगेश्वर बाघ, सत्यप्रकाश त्रिपाठी, सुरज सिदार, विक्की नाग, विनय सिदार, विजयशंकर सिदार, भास्कर प्रधान, निलेश प्रधान, यशवंत साहू, साहिल सिदार, अभय साहू, जयदेव प्रधान, आकाश नेताम, उपेन्द्र प्रधान, कौशल सिदार सहित समस्त ग्रामवासियों का सराहनीय योगदान रहा।

एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं विवरण संशोधन की समय-सीमा बढ़ी

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं विवरण संशोधन की प्रक्रिया को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए गए हैं। विभाग द्वारा जारी पत्र के अनुसार, किसानों के पंजीयन के बाद विवरण संशोधन की सुविधा अब 07 जनवरी 2026 तक उपलब्ध रहेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार,15 दिसम्बर 2025 तक के सीसी (चष्टष्ट), ई-ऋण, वन पट्टाधारी किसानों सहित अन्य श्रेणी के किसानों के पंजीयन का प्रावधान संबंधित समितियों के समिति लॉगिन के माध्यम से किया गया था। एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन के पश्चात विभिन्न किसानों द्वारा अपने विवरणों में संशोधन हेतु आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। इसी क्रम में शासन द्वारा यह निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर उइके ने औचक निरीक्षण में कार्यलयीन अवधि में अनुपस्थित 9 अधिकारी कर्मचारियों को कारण बताओं नोटिस जारी

गरियाबंद (समय दर्शन)। कलेक्टर बीएस उइके ने आज नववर्ष के अवसर पर संयुक्त जिला कार्यालय में संचालित विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने खाद्य,श्रम,योजना एवं सांख्यिकी,खनिज विभाग, निर्वाचन शाखा,पीएमजीएसवाय,शिक्षा,आबकारी, महिला एवं बाल विकास,आदिवासी विकास विभाग एवं उद्यानिकी विभाग,लोक सेवा केंद्र के कार्यालय का निरीक्षण किया।कलेक्टर ने संयुक्त जिला कार्यालय के शाखाओं में जाकर अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति,स्थापना,फाइलों का भंडारण एवं स्वच्छता व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कार्यालय में कार्यालयीन समय में उपस्थित शासकीय कर्मियों की जानकारी ली।कार्यलयीन समय पर अनुपस्थित पाए जाने वाले अधिकारी कर्मचारियों पर गहरी नाराजगी जताई।उन्होंने बिना सूचना के अनुपस्थित शासकीय सेवकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। कार्यालयीन समय में अनुपस्थित रहने वाले कर्मचारियों की सैलरी भी काटने के निर्देश दिए। साथ ही चतुर्थ श्रेणी के कर्मियों को निर्धारित ड्रेस में ही कार्यालय आने को कहा।कलेक्टर ने कहा कि शासन के

मंशा अनुसार सभी शासकीय सेवक निर्धारित समय में कार्यालय में उपस्थित होकर शासकीय दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने जिला अधिकारियों को अपने अधीनस्थ कार्यालयों के कर्मचारियों को भी निर्धारित समय में कार्यालय आने के नियम का पालन करवाने के निर्देश दिये। महिला स्व-सहायता द्वारा परिसर में संचालित भुतेश्वर नाथ केंटिन के रसोई कक्ष का निरीक्षण किया जिसमें महिलाओं को साफ-सफाई एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन-व्यंजन निर्माण करने के निर्देश दिए।इसी प्रकार निरीक्षण के दौरान लोक सेवा केन्द्र में आधार में त्रुटि सुधार के लिए मैनपरु से आए 2 स्कूली छात्राओं के समस्याओं के शीघ्र निराकरण करने के लिए कहा।निरीक्षण के दौरान अधीक्षक सुदामा ठाकुर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान सभी शाखाओं में नस्तियों के व्यवस्थित संधारण एवं साफ सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने एवं पुराने एवं अनुपयोगी फाईलों को डिस्पोज करने के निर्देश दिए। साथ ही सभी आलमारियों में रजिस्टर एवं दस्तावेजों को क्रमबद्ध तरीके से रख कर फाइलों के नाम युक्त सूची अलमारी में चिपकाने के निर्देश दिए। जिससे आसानी से फाइलों को कार्य अनुसार निकाला जा सके।कलेक्टर श्री उइके ने निरीक्षण के दौरान कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर का भी अवलोकन किया।उन्होंने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर में गंदगी नहीं करने एवं इधर उधर बिखरे पड़े कूड़ा करकटों को तत्काल सफाई करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

संक्षिप्त-खबर

परसाही स्कूल में पालक ने अपनी बेटी की जन्म दिन पर कराया बच्चों को न्यौता भोजन

पाटन (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला परसाही में एक पालक ने अपने बेटी के जन्मदिन के अवसर पर स्कूल के बच्चों को न्यौता भोजन करवाया। जानकारी के मुताबिक ग्राम परसाही में रहने वाले पंचराम साहू की बेटी का आज जन्मदिन था। इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण व स्कूली बच्चे स्टाफ मौजूद रहे।

पाहंदा में 2 जनवरी से श्री राम कथा महोत्सव का आयोजन, तैयारी पूरी

पाटन (समय दर्शन)। श्री हनुमान मंदिर प्रांगण, बाजार चौक पाहंदा में 02, 03 एवं 04 जनवरी 2026 को भव्य श्रीराम कथा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन धार्मिक आयोजन में क्षेत्र सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

कार्यक्रम में युगतुलसी श्रीरामकिंकर महाराज जी की उत्तराधिकारी परमपूज्य दीदी मां मंदाकिनी श्रीरामकिंकर जी के श्रीमुख से संगीतमय श्रीराम कथा का भावपूर्ण रसपान श्रद्धालुओं को कराया जाएगा। यह आयोजन निरंतर 57वें वर्ष आयोजित किया जा रहा है, जो क्षेत्र की सुदीर्घ धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का परिचायक है।

आयोजकों के अनुसार श्रीराम कथा प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक होगी, वहीं पूज्य दीदी मां का प्रवचन सायं 6 बजे से रात्रि 8:30 बजे तक संपन्न होगा। कथा के दौरान भक्ति, संगीत एवं रामचरित मानस के प्रेरक प्रसंगों से श्रद्धालु आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति करेंगे। आयोजन समिति के संरक्षक नंदलाल साहू एवं गंगूराम साहू समिति के अध्यक्ष चेतन देवांगन, सचिव राजेंद्र साहू तथा कोषाध्यक्ष कुलेश्वर साहू के कुशल नेतृत्व में राजेश्वर साहू, दीपक यादव, राजू लाल साहू, चिंटू देवांगन, चेलाराम साहू, टिकेंद्र देवांगन, भेनू साहू , गजेन्द्र साहू, हेमंत साहू सहित पूरी टीम एवं श्री आदर्श मानस मंडली एवं समस्त ग्रामवासी पाहंदा (अ.) ने क्षेत्र के समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ एवं पुण्यलाभ अर्जित करने की अपील की है।

गरियाबंद में आबकारी टीम की बड़ी कार्रवाई, अवैध कच्ची महुआ शराब एवं महुआ लाहन जब्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में कलेक्टर भगवान सिंह उईके के मार्गदर्शन एवं जिला आबकारी अधिकारी गजेन्द्र कुमार सिंह के निर्देशन में गरियाबंद जिले की आबकारी टीम द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई।राजिम सर्कल अंतर्गत गश्त के दौरान बरेठिन कोना जंगल क्षेत्र से 100 बल्क लीटर अवैध कच्ची महुआ मदिरा एवं 1,350 किलोग्राम महुआ लाहन बरामद कर जब्त किया गया। मौके पर महुआ लाहन को नष्ट किया गया। इस प्रकरण में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(2) के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।इसी क्रम में एक अन्य कार्रवाई में वृत्त देवभोग अंतर्गत गश्त के दौरान उसरीपानी कच्ची सड़क किनारे एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में रखी उड़ीसा प्रांत निर्मित 'ट्रिपल लाल घोड़ा' छाप कच्ची महुआ शराब प्रत्येक 200-200 एम.एल.की कुल मात्रा 10.40 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त की गई। इस प्रकरण में भी अज्ञात आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम 1915 (संशोधित 2011) की धारा 34(2) के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।आरोपियों की पतासाजी जारी है। उक्त कार्रवाई में आबकारी उपनिरीक्षक नागेशराज श्रीवास्तव,रजत चंद ठाकुर,आबकारी मुख्य आरक्षक चंद्रोल गायकवाड़,आबकारी आरक्षक पितांबर चौधरी,नगर सैनिक संजय नेताम,मनीष कश्यप,महिला नगर सैनिक हेमाबाई साहू,वाहन चालक शैलेन्द्र कश्यप तथा गोवर्धन सिन्हा शामिल थे।जिला प्रशासन द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, परिवहन एवं विक्रय के विरुद्ध निरंतर सख्त कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

अंतत :पुलिस ने खरीदी प्रभारी के विरुद्ध मामला दर्ज कर विवेचना में लिया

बसना (समय दर्शन)। पिथौरा विकासखण्ड के धान घोटाले के लिए बहुचर्चित धान खरीदी केंद्र पिरदा में बीती रात अवैध धान तस्करी का गंभीर मामले में बसना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच मे लिया है।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार रात करीब 10.30 बजे लगभग बाहर से अवैध रूप से धान लाकर मंडी परिसर में उतारा जा रहा था। धान को राईस मिल से लाकर खरीदी केंद्र में खपाने की कोशिश की जा रही थी।

गांव के कोटवार द्वारा आवाज लगाने तथा एसडीएम व तहसीलदार के निर्देश के बावजूद मंडी गेट नहीं खोला गया। गेट अंदर से बंद रखा गया था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए नायब तहसीलदार ललित सिंह ने साहस और तत्परता दिखाते हुए गेट का ताला तुड़वाकर जांच शुरू कराई। इस कार्रवाई में एसडीएम तथा बसना थाना प्रभारी के सहयोग से मौके पर जांच की गई।

अपुष्ट सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस पूरे मामले में धान खरीदी प्रभारी रोहित पटेल एवं मंडी प्रबंधक की अहम् भूमिका बताई जा रही है। जब प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तो गेट नहीं खोला गया और कई लोग दीवार फांदकर भागते नजर आए थे।

थाना राजिम में गांजा एवं अवैध शराब पृथक-पृथक कार्यवाही में 2 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

गरियाबंद (समय दर्शन)। नया सवेरा अभियान अंतर्गत गरियाबंद पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा समस्थ थाना प्रभारियों को अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत अवैध गांजा, शराब एवं नषीले पदार्थों के विरूद्ध कठी कार्यवाही एवं रोकथाम के सम्बंध में निर्देष दिये गये थे। जिसके परिपालन में समस्त थाना प्रभारियों द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्रांतर्गत पेट्रोलिंग एवं मुखबीर सक्रिय किया गया था।जो कि 1 जनवरी को मुखबीर से थाना प्रभारी राजिम को दो अलग-अलग घटना स्थल में अवैध शराब एवं गांजा बिक्री की सूचना प्राप्त हुआ था।प्राप्त सूचना के आधार पर थाना राजिम से दो अलग-अलग पुलिस टीम रवाना कर मुखबीर द्वारा बताये गये घटना स्थल का रेड कार्यवाही किया गया। मुखबीर के बताये अनुसार ग्राम पितइबंद मार्ग में संदेही आरोपी लीलाराम साहू पिता बुधुराम साहू उम्र 49 वर्ष ग्राम जेंजरा थाना राजिम को पकड़ कर अवैध शराब के संबंध में पुछताछ करने पर एक सफेद रंग की बोरी में देषी मंदिरा मसाला शराब को झाड़ियों के बीच में छुपाकर रखना बताया गया। उक्त शराब को समक्ष गवाहन के गिनती करवाकर देखने पर 34 नग देषी मदिरा मसाला 6.20 लीटर को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपी लीलीराम साहू का कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का पाये जाने से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

इसी क्रम में पुन: मुखबीर से सूचना प्राप्त हुआ कि एक व्यक्ति हरा रंग का जेकेट पहना हुआ एक सफेद रंग के बैग में गांजा मादक पदार्थ रखकर बिक्री करने के लिए बजरंग मंदिर के पास सिंधौरी मोड़ के पास खड़ा है।मुखबीर के निषानदेही पर थाना से घटना स्थल पुलिस टीम रवाना किया गया। मुखबीर के बताये हुलिया के आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति को घेराबंदी कर पकड़ा गया।जिसका समक्ष गवाहन के उपस्थिति में नाम-पता पुछकर तलाषी लेने पर आरोपी खेदुराम वर्मा पिता झुमकुराम वर्मा उम्र 58 वर्ष निवासी अमर चौंक थाना राजिम के कब्जे से एक सफेद रंग के बैग से 975 ग्राम अवैध गांजा मादक पदार्थ कीमती 48,750 रूपये को जप्त कर कब्जा पुलिस लिया गया।आरोपी खेदुराम वर्मा के विरूद्ध पर्याप्त साक्ष्य पाये जाने से अपराध धारा 20(ख) एनडीपीएस.एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।दोनो प्रकरण के आरोपियों को विधिवत समक्ष गवाहन के गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेष किया गया।उक्त कार्यवाही में थाना राजिम पुलिस टीम की विषेष भूमिका रही।

सड़क सुरक्षा माह का शुभारंभ : कलेक्टर एसपी ने निकाली हेलमेट जागरूकता बाइक रैली

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की रजत जयंती के अवसर पर जिले में सड़क सुरक्षा माह की शुरुआत की गई।पुलिस विभाग द्वारा आयोजित इस अभियान का शुभारंभ जागरूकता बाइक रैली के माध्यम से किया गया।रैली में कलेक्टर बीएस उईके, पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर,नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव सहित प्रशासनिक अधिकारी जनप्रतिनिधि और पुलिसकर्मी शामिल हुए। रैली की शुरुआत पुलिस लाइन से हुई, जो नगर भ्रमण करते हुए एसडीओपी कार्यालय में संपन्न हुई। इस दौरान नागरिकों को हेलमेट पहनने, सुरक्षित गति से वाहन चलाने और यातायात नियमों का पालन करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर कलेक्टर बीएस उईके ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी तभी आएगी, जब हम यातायात नियमों को अपने व्यवहार का हिस्सा बनाएंगे। उन्होंने बताया कि नशे की हालत में वाहन चलाने के कारण सड़क हादसों में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहीं इससे होने वाली मौतों की संख्या भी बढ़ी है। कलेक्टर ने कहा कि केवल कानून का डर नहीं, बल्कि स्वयं

की और दूसरों की सुरक्षा का भाव जरूरी है।

साथ ही पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर ने कहा कि सड़क पर चलने वाला हर व्यक्ति किसी न किसी परिवार की जिम्मेदारी होता है। सड़क सुरक्षा केवल नियम नहीं,बल्कि जीवन की सुरक्षा है।उन्होंने कहा कि हेलमेट,सीट बेल्ट और सीमित गति ये यातायात नियम नहीं,बल्कि गंभीर दुर्घटनाओं से बचाने वाले सुरक्षा कवच हैं। उन्होंने युवाओं से अपील करते हुए कहा वाहन चलाते समय नियमों का पालन करें। आपकी एक सावधानी कई जिंदगियां सुरक्षित रख सकती है।नगर पालिका अध्यक्ष रिखीराम यादव ने कहा कि कम दूरी की यात्रा में भी हेलमेट उतना ही आवश्यक है जितना लंबे सफर में। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि सुरक्षा को सुविधा पर प्राथमिकता दें और यातायात नियमों को अपनी जिम्मेदारी समझें। सड़क सुरक्षा माह के तहत जिले में हेलमेट रैली, लर्निंग लाइसेंस शिविर,एचएसआरपी शिविर, स्कूल-कॉलेजों में वाद-विवाद व रंगोली प्रतियोगिता, स्कूल बसों की जांच सहित विविध जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

बलौदा बाजार के निर्दोष लोगों की केस वापस ले सरकार

महासमुन्द (समय दर्शन)। गुरु घासीदास बाबा जी के 269 वीं जयंती पर पचेड़ा में जिला स्तरीय जयंती समारोह आयोजित किया गया।

जिसके मुख्य अतिथि द्वारिकाधीश यादव विधायक खल्लारी,अध्यक्षता दिनेश बंजारे प्रदेश सहासचिव प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज व अति विशिष्ट अतिथि में विजय बंजारे जिलाध्यक्ष,हीरा जोगी वरिष्ठ समाज प्रमुख, तरुण व्यवहार जनपद उपाध्यक्ष बागबाहरा, श्रीमती थनेश्वरी प्रहलाद साहु जनपद सदस्य,श्रीमती श्यामा टंडन सरपंच पचेड़ा, सोमनाथ टोंडेकर जिला मिडिया प्रभारी, विजय मिर्चे जिला प्रवक्ता, चंदुलाल साहु अध्यक्ष साहु समाज खल्लारी परिक्षेत्र व पंचायत तथा ग्रामीण विकास समिति के पदाधिकारी शामिल रहे।

सामुहिक आरती वंदन के पश्चात जोड़ा जैतखाम में भंडारी छन्नु नारंग व सेवा निवृत्त सीईओ एच आर बघेल ने पालों चढ़ाया।समारोह में बलौदा बाजार प्रकरण में जेल जाने वाले छः सामाजिक सेनानी दिनेश बंजारे, विजय बंजारे,हीरा जोगी, सोमनाथ टोंडेकर,नेतराम जांगड़े,भरत गेंड्रे को मोमेंटो व शॉल भेंटकर सम्मान किया। तथा जेल जाने वालों ने अपनी पीड़ा समाज के समक्ष रखते हुए बताया कि वें 10 जून को आयोजित धरना प्रदर्शन में केवल सामाजिक पदाधिकारी होने के कारण शामिल भर हुए थे। किसी प्रकार की हिंसा में शामिल नहीं रहे। फिर भी उनके उपर विभिन्न गंभीर धाराओं में अपराध दर्ज किया गया है।नेतराम जांगड़े ने बताया कि उस दिन तो वो अपने गांव तरेकेला में ट्रेक्टर से दिनभर खेत की जुताई किया था। सबुत के तौर पर सरपंच व गांव वाले हैं। फिर भी गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया। प्रकरण में शामिल लोगों के बार बार पेशी में जाने पर आर्थिक, मानसिक, शारीरिक क्षति होने पर चिंता जाहिर करते हुए समाज के द्वारा सरकार और विपक्षी दलो से 10 जुन 2023 को केवल धरना प्रदर्शन में शामिल होने के कारण ही निर्दोष लोगों पर दर्ज अपराधिक प्रकरण को वापस लेने की मांग तेज करने की अपील किया। क्योंकि पुलिस प्रशासन की नियत पर शंका है भले ही सरकार शुरू से कहते रहा है कि निर्दोष लोगों को छोड़ा जाएगा ? लेकिन आज तक उचित पहल नहीं की गई है? बल्कि उल्टा फास्ट कोर्ट में सुनवाई शुरू करवा दिया गया है।जिस पर समाज के लोगों ने सामुहिक रूप से प्रथम चरण में शासन प्रशासन से ज्ञापन सौंपने व दुसरे चरण में अपने अपने क्षेत्र के विधायक सांसद को ज्ञापन सौंपकर मांग करेंगे।

गांव से खेल की शुरुवात कर आज अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंची बेमचा की लक्ष्मी चंद्राकर

इनडो नेपाल टेस्ट सीरीज बॉल बैडमिंटन प्रतियोगिता के लिए छत्तीसगढ़ से तीन खिलाड़ियों का चयन

महासमुन्द (समय दर्शन)। बॉल बैडमिंटन महासंघ एशिया के तत्वाधान में इनडो नेपाल टेस्ट सीरीज पुरुष एवं महिला का आयोजन बीरगंज, काठमांडू एवं बीराट नगर में 1 से 5 जनवरी 2026 तक आयोजित किया गया हैं। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ से तीन खिलाड़ियों का भारतीय टीम में चयन हुआ है। पुरुष वर्ग में कुणाल साहू भिलाई एवं नरेंद्र कुमार कुरूद परखंदा धमतरी तथा महिला वर्ग में लक्ष्मी चंद्राकर ग्राम पंचायत बेमचा महासमुंद शामिल होंगे। यह खिलाड़ी पिछले कई वर्षों से अपने खेल कौशल का अच्छा प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम में अपना स्थान बनाने में कामयाब हुए हैं। लक्ष्मी चंद्राकर पिता नरेश चंद्राकर माता सरोजनी चंद्राकर ग्राम पंचायत बेमचा में निवास कर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा खेल मैदान में अपनी प्रारंभिक अभ्यास करते हुए डॉक्टर सेवन दास मानिकपुरी व्यायाम शिक्षक बेमचा

एवं प्रदेश सह सचिव अंकित लूनिया के मार्गदर्शन में कई राज्य स्तरीय प्रतियोगिता, राष्ट्रीय प्रतियोगिता, यूनिवर्सिटी खेल में शामिल हो चुकी है। अब ग्रामीण अंचल से निकलकर मिनी स्टेडियम महासमुंद, चेन्नई में अभ्यास करते हुए अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए लक्ष्मी चंद्राकर का चयन हुआ हैं।

इनकी इस उपलब्धि के लिए छत्तीसगढ़ बॉल बैडमिंटन संघ के कार्यकारी अध्यक्ष इसरार अहमद खान, कोषाध्यक्ष श्यामल बनर्जी, सहयोगी चंद्राकर समाज उपक्षेत्र बेमचा, उपक्षेत्र महासमुंद, विनोद सेवन लाल चंद्राकर, चंद्रहास चंद्राकर, वर्षा देवेंद्र पटेल, पुष्कर चंद्राकर, शेखर चंद्राकर, ऋषि चंद्राकर, हुलसी चंद्राकर, डॉ. विजय चंद्राकर, अनुराग चंद्राकर, तारेंद्र चंद्राकर, जितेंद्र चंद्राकर, राहुल चंद्राकर, पूनम चंद्राकर, देवेंद्र चंद्राकर, पंकज चंद्राकर, देवेंद्र चंद्राकर, दयालु चंद्राकर, नरेश लाला चंद्राकर, विजय ज्वेलर्स, हुलास चंद्राकर, देवेंद्र चंद्राकर, राकेश चंदन, गौरव चंद्राकर, डेविड चंद्राकर, कौशलेंद्र चंद्राकर, ईशान चंद्राकर, नीरज इंटरप्राइजेस, धर्मेंद्र चंद्राकर, सन्नी साहू, अजीत बंगाली, लोकेश चंद्राकर, तरुण साहू, योगेंद्र चंद्राकर, नन्द किशोर चंद्राकर, नीरज चंद्राकर, योगेश चन्द्रनाहु, लक्कीं सिंग, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, प्रदेश बॉल बैडमिंटन सह सचिव व जिला सचिव अंकित लूनिया, सेवन दास मानिकपुरी, लोकेश चंद्राकर, तारिणी चंद्राकर, नरेश चंद्राकर, प्रभात सेठ, राजेश शर्मा, मोबिन कुरैशी, विनय भारद्वाज, भूषण, मिनी स्टेडियम महासमुंद एवं शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा के सम्मत स्टॉफएवं खिलाड़ियों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

हनुमान चालीसा पाठ कर सेलूद वासियों ने राम भगवान प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ को उत्सव के रुप में मनाया

सेलुद(समय दर्शन)। अयोध्या में श्री रामचन्द्र जी के प्राण प्रतिष्ठा के दिन ग्राम सेलूद में 108 कलश के साथ श्रीराम जानकी मंदिर भाठापारा से ग्राम के माता बहनो के द्वारा भव्य कलश शोभा यात्रा निकाला गया । प्रतिदिन गाँव में लोगों ने स्व स्फुर्त होकर सैकड़ो की संख्या में बाजा गाजा के साथ प्रभातफेरी निकाला जाता रहा है द्य घर घर दीपक जलाने के साथ रंगोली बनाकर उत्सव मनाया गया । सेवा समिति के द्वारा सेवा भजनो के माध्यम से भगवान की स्तुति की गई । राम जन्म उत्सव मनाने व इस पल स्वर्णिम पल को यादगार बनाने महिलावो व पुरुषों में गजब का उत्साह था द्य हिंदुओ के लिए 550 वर्ष बाद कई पीढ़ी के बीत जाने के बाद यह स्वर्णिम क्षण अपने जीवित जीवन काल मे पिछले दो वर्ष पूर्व आया था उसी को उत्सव के रुप में मनाया गया । कलश यात्रा राम जानकी मंदिर भाठापारा से प्रारम्भ होकर ग्राम भ्रमण करते हुए बजरंग चौक में पुजा अर्चना किया गया। साथ ही ग्राम की माता बहनो द्वारा पहली बार हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया द्य इस कार्यक्रम में गाँव की महिला पुरुष बड़ी संख्या में शामिल हुए । सभी लोगों को महाभोग भी वितरण किया गया । इस अवसर पर प्रमुख रुप से ग्राम की पूर्व सरपंच खेमिन खेमलाल साहू, रमेश देवांगन, महेश्वर बंछोर, लोकमनी चंद्राकर पूर्व मण्डल अध्यक्ष, तारेन्द्र बंछोर, टामनलाल साहू, कृष्ण कुमार साहू, जयंत साहू, अशोक यादव, रोमन वैष्णव, टी पी शर्मा, सुरेंद्र बंछोर, कौशल बनपेला, अनिल बनपेला, उमेश सिन्हा, भोला साहू, लक्ष्मण साहू, लक्ष्मण वर्मा, सिमा ठाकुर, ललिता वर्मा, सत्यभामा बंछोर, केवरा साहू,रूखमणी सेन, पार्वती ठाकुर, किरण सोनवानी, ललिता बनपेला, पीताम्बरी साहू, केवरा साहू, विमला साहू, सत्यभामा बंछोर, रोहणी साहू, अनीता सिन्हा, धारिणी जैन, पार्वती ठाकुर, सुनीता ठाकुर, सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे ।

छेरछेरा पुन्नी मेला श्रद्धा और उल्लास के साथ ....

सरगांव (समय दर्शन)। मुंगेली जिले के प्रसिद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थल श्री हरिहर क्षेत्र केदार द्वीप, मदकू में दिनांक 26 दिसंबर 2025 से परंपरागत छेरछेरा पुन्नी मेला श्रद्धा, आस्था और उल्लास के वातावरण में निरंतर जारी है। यह ऐतिहासिक एवं लोकआस्था से जुड़ा मेला आगामी 4 जनवरी 2026 को मातर पर्व के साथ विधिवत रूप से सम्पन्न होगा। वर्षों से अनवरत आयोजित होता आ रहा यह मेला क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक परंपराओं का जीवंत प्रतीक माना जाता है, जिसमें प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु, ग्रामीणजन एवं पर्यटक सहभागिता करते हैं।

मेले के पावन अवसर पर दशकों से निरंतर शिव पुराण कथा का आयोजन भी किया जा रहा है। इस वर्ष कथा व्यास पंडित रवि शर्मा जी द्वारा भक्तों को भगवान शिव की महिमा, लीला और उपासना से ओत-प्रोत शिव पुराण कथा का भावपूर्ण, सरल एवं रसपूर्ण श्रवण कराया जा रहा है। कथा स्थल पर प्रतिदिन प्रात: एवं सायंकाल श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। पूरा क्षेत्र हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से भक्तिमय वातावरण में सराबोर हो गया है।शिवनाथ नदी की तीन धाराओं से घिरा मदकू द्वीप अपने आप में पुरातात्विक महत्व, समृद्ध जैव विविधता, धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक शांति का अद्भुत संगम प्रस्तुत करता है। द्वीप पर स्थित प्राचीन मंदिरों के अवशेष, शिवलिंग, प्राकृतिक हरियाली और शांत वातावरण श्रद्धालुओं के साथ-साथ इतिहास एवं प्रकृति प्रेमी पर्यटकों को भी आकर्षित कर रहे हैं। दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालु यहां दर्शन, पूजा-अर्चना और नदी स्नान कर आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त कर रहे हैं। मेले में खान-पान की दुकानें, घरेलू उपयोग की वस्तुएं, खिलौने, आभूषण एवं अन्य आवश्यक सामग्री की अस्थायी दुकानों के साथ-साथ बच्चों और युवाओं के लिए झूले व मनोरंजन के साधन भी लगाए गए हैं। आसपास के ग्रामीण परिवार अपने परिजनों के साथ मेले का आनंद ले रहे हैं। यह मेला न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र है, बल्कि ग्रामीण अंचल में आपसी मेल-जोल, सामाजिक समरसता और स्थानीय व्यापार को भी बढ़ावा देने का सशक्त माध्यम बना हुआ है। हालांकि, बीते वर्ष मेले के दौरान दो पक्षों के युवकों के बीच हुए विवाद में चाकूबाजी की घटना सामने आई थी, जिसमें एक युवक की दुखद मृत्यु हो गई थी। इस घटना को लेकर ग्रामीणों में आज भी चिंता और संवेदनशीलता बनी हुई है। उक्त घटना से सबक लेते हुए इस वर्ष पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। मेले में पुलिस बल की तैनाती, नियमित गश्त, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रशासन का उद्देश्य है कि छेरछेरा पुन्नी मेला शांतिपूर्ण, सुरक्षित और श्रद्धामय वातावरण में सम्पन्न हो, ताकि श्रद्धालु निश्चिंत होकर धार्मिक अनुष्ठानों एवं मेले का आनंद ले सकें। वहीं ग्रामीणजन भी प्रशासन से निरंतर सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना की पुनरावृत्ति न होने देने की अपेक्षा कर रहे हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26